राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,21 नवंबर 2022 वर्ष-5,अंक-294 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्म सिटी की स्थापना के लिए हो कामः माधवानी

उदयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट पूर्व राज्य के सर्वांगिण विकास हेतु आमजन से मांगे गये सुझाव के तहत लाइन प्रोड्यूसर मुकेश माधवानी ने सुझाव दिया कि उदयपुर में फिल्मसिटी की स्थापना के लिये काम होना चाहिये ताकि झीलों की नगरी पर्यटन के और सबसे बड़ा केंद्र के रूप में उभरें।

श्री माधवानी ने बताया कि अरावली की पहाड़ियों में बसा यह शहर अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वविख्यात है। दुनिया भर से यहां पर फिल्मों की शूटिंग के लिए डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स पहुंचते हैं, लेकिन इसके बावजूद भी उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना नहीं हो सकी। उदयपुर में रोजगार का मुख्य केंद्र भी पर्यटन ही है। करीब सभी लोग यहां पर पर्यटन के सहारे ही अपना रोजगार चला रहे हैं। ऐसे में अगर उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना होती है तो यह न केवल उदयपुर के लिए बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल साबित होगी। उन्होंने कहा कि उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना से लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। साथ ही यहां पर स्वरोजगार के लिए भी अवसर खुलेंगे और यहां के कलाकारों को भी उचित मंच मिल सकेगा। ऐसे में इन सभी बिंदुओं को देखते हुए राज्य सरकार को चाहिए कि उदयपुर में लंबे समय से चली आ रही फिल्म सिटी की स्थापना की मांग को इस वर्ष के बजट में पूरा करें।

'शिवाजी हुए पुराने' वाले बयान पर भड़के संजय राउत, बोले

यह अपमान है, तुरंत इस्तीफा दें राज्यपाल कोश्यारी

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा मांगा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कोश्यारी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। राउत ने कहा कि बीजेपी को माफी मांगनी चाहिए और राज्यपाल को उनके पद से हटा देना चाहिए। संजय राउत ने राज्यपाल कोश्यारी के शिवाजी हुए पुराने वाले बयान को अपमान बताया।

दरअसल, राज्यपाल कोश्यारी ने शनिवार को औरंगाबाद में कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार को डी.लिट की उपाधि से नवाजा। कोश्यारी ने महाराष्ट्र में %आदर्श लोगों% की बात करते हुए बी आर आंबेडकर और गडकरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी पुराने जमाने के आदर्श थे।

भाजपा इस पर बताए अपना रुखः संजय राउत

संजय राउत ने सवाल किया कि छत्रपति शिवाजी पुराने युग के आदर्श कैसे हो सकते हैं, जब राज्य व देश आज भी उनके आदर्शों का पालन करता है और करता रहेगा। राउत ने स्वतंत्रता सेनानी वी डी सावरकर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भाजपा से शिवाजी महाराज व महाराष्ट्र के अपमान पर अपना रुख बताने की मांग की।

छत्रपति शिवाजी सबसे महान योद्धा

कांग्रेस की गोवा इकाई ने भी कोश्यारी की टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की आलोचना की है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अमरनाथ पणजीकर ने कहा कि छत्रपति शिवाजी सबसे महान योद्धा थे। उन्होंने, %हम छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और भाजपा प्रवक्ता सुधांशु तिवारी के बयानों की आलोचना करते हैं। छत्रपति सबसे महान वीर योद्धा थे, कायर सावरकर और नितिन गडकरी से उनकी तुलना करना मूर्खता है।

'भारत जोड़ो यात्रा' महाराष्ट्र चरण के अंतिम दिन में

रविवार को मध्य प्रदेश में किया प्रवेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो यात्रा' अपने महाराष्ट्र चरण के अंतिम दिन रविवार को बुलढाणा जिले से आगे बढ़ी। महाराष्ट्र से यह पदयात्रा रविवार रात को मध्य प्रदेश में दाखिल होगी। 'भारत जोड़ो यात्रा' रविवार को 74वें दिन में प्रवेश कर गई। यह पदयात्रा शनिवार को साईराम एग्रो सेंटर में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह छह बजे बुलढाणा के भेंडवल से फिर से शुरू हुई। राहुल से मिलने के लिए यात्रा मार्ग में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। इस दौरान कांग्रेस नेता ने उनसे बातचीत की। सोमवार को 'भारत यात्रियों' के लिए विश्राम दिवस रहेगा। इस दिन राहुल गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए एक और पांच दिसंबर को मतदान होना है। 'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। इसने सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश किया था। लगभग दो हफ्ते में यह पदयात्रा राज्य के नांदेड़, हिंगोली, वाशिम, अकोला और बुलढाणा जिलों में 15 विधानसभा और छह संसदीय क्षेत्रों से गुजरी। राहुल ने यात्रा के महाराष्ट्र चरण में दो रैलियों को भी संबोधित किया। पहली रैली नांदेड़ में 10 नवंबर और दूसरी रैली शेगांव में शुक्रवार को हुई थी।

राम मंदिर में सुरक्षा और श्रद्धा का रखा जा रहा ध्यान, सूर्य किरण पड़ेगी राम लला पर

नई दिल्ली। अयोध्या में श्री राम मंदिर धीरे-धीरे अब आकार ले रहा है। मंदिर निर्माण से जुड़े सभी पहलुओं पर मंथन तेज हो गया है। सुरक्षा और श्रद्धा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन सुरक्षित वातावरण में कराए जा सकें। श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर निर्माण से जुड़े वैज्ञानिक व इंजीनियरों अब इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे रामनवमी के दिन रामलला के मस्तक पर सूर्य की रोशनी पड़े और भूंकप के झटकों से इसे कैसे बचाया जाए। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें

मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में मंदिर निर्माण के प्रगति को लेकर कार्यदाई संस्था एलएनटी टाटा कंसल्टेंसी इंजीनियर के साथ मंथन किया गया, जिसके बाद निर्माण समिति के चेयरमैन व ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और जिला प्रशासन के साथ अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का भी निरीक्षण किया। बैठक में सिक्योरिटी फोर्स के रिटायर्ड डायरेक्टर जनरल, नेशनल

बिल्डिंग कारपोरेशन के भूतपूर्व चेयरमैन अनूप मित्तल आदि शामिल रहे। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के अधिकारी और वैज्ञानिक टीम ने मंदिर की भूकंप के प्रति स्थायित्व का अध्ययन किया था। बैठक में बताया कि किस तरह से आकाश से सूर्य की किरण को रामनवमी के दिन भगवान के मस्तक पर किस ढंग से लाया जाए, इसका प्रस्तुतीकरण पेश किया।

इसरो के गगनयान मिशन का झांसी में परीक्षण सफल

बेंगलुरु। उत्तर प्रदेश के झांसी से थोड़ी दूर स्थित मिलिट्री कैंट के इलाके बबीना फील्ड फायर रैंज में इसरो के गगनयान मिशन के पैराशूट सिस्टम की टेस्टिंग की गई। इसरो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट में पैराशूट की तस्वीर शेयर की हैं।

तस्वीर में दिख रहे पैराशूट गगनयान के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित लैंडिंग कराएंगे। शुक्रवार यानी 18 नवंबर को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों ने सेना के बबीना फील्ड फायर रैंज में गगनयान पैराशूट सिस्टम की टेस्टिंग की। इसे इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयरड्रॉप टेस्ट नाम दिया गया। इसमें पैराशूट की ताकत और क्षमता का परीक्षण किया गया जिससे भविष्य में गगनयान के क्रू मॉड्यूल की लैंडिंग कराते समय कोई समस्या उत्पन्न न हो।

इन पैराशूट की खासियत

गगनयान में ये तीनों पैराशूट बहुत ही मुख्य भूमिका निभाएंगे। इन पैराशूट में तीन छोटे एसीएस, पायलट और ड्रोग पैराशूट लगाया जाएगा। जिससे क्रू मॉडयूल को सही दिशा में लाकर उसकी गति को तय मनाकों तक कम किया जा सके। इस टेस्ट से ये पता चला कि अगर एक पैराशूट खराब हो जाता है तो दूसरा पैराशूट क्रू मॉड्यूल की सही लैंडिंग करा पाएगा कि नहीं। इन पैराशूट की मदद से 5 टन के डमी पैराशूट को जमीन पर लैंड कराया गया।

इसका वजन भी उतना ही है जितना गगनयान के क्रू मॉड्यूल को होता है। इस टेस्ट के लिए भारतीय वासूसेना के IL-76 एयरक्राफ्ट की मदद ली गई। बता दें कि पैराशूट को ढाई किलोमीटर ऊपर से गिराया गया था, जिसके बाद दो छोटे पाइरो-बेस्ड मोर्टार पायलट पैराशूट छोड़े गए। सात सेकेंड के भीतर दोनों पैराशूट खुल गए। इस टेस्टिंग को पूरा होने में महज 2 से 3 मिनट का समय लगा।

पैराशूट की लैंडिंग हुई सफल

टेस्टिंग में पैराशूट की लैंडिंग के सभी चरणों के डेटा को जमा किया गया। जब पैराशूट की सफल लैंडिंग हुई तो सभी वैज्ञानिक खुशी से झूम उठे। बता दें कि ये टेस्टिंग इसरो, डीआरडीओ, भारतीय वायसेना और भारतीय सेना की मदद से पूरा किया गया।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में मुठभेड़ में मारा गया लश्कर आतंकी

ठिकानों की पहचान के लिए साथ ले गई थी सेना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा का हाइब्रिड दहशतगर्द मारा गया। जवान इस आतंकी को ठिकानों की पहचान के लिए अपने साथ ले गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद अनंतनाग जिले के बिजबेहरा स्थित चेकी डूडू इलाके में घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया गया। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट करके बताया, %जब सर्च टीम संदिग्ध ठिकाने की ओर पहुंची तो आतंकवादी गोलीबारी करने लगे। इस दौरान लश्कर के आतंकी सज्जाद तांत्रे को गोली लग गई। सज्जाद को बिजबेहरा स्थित एसडीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सज्जाद तांत्रे कुलगाम का रहने वाला था। वह 13 नवंबर को बिजबेहरा के राखमोमेन में गैर-स्थानीय मजदूर की हत्या में शामिल था।

तांत्रे ने बाहरी मजदूरों पर किया था हमला

हाइब्रिड आतंकवादी सज्जाद तांत्रे ने जांच के दौरान खुलासा किया था कि उसने 13/11/2022 को अनंतनाग के राखमोमेन में 2 बाहरी मजदूरों पर हमला किया था, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल मजदूर छोटा प्रसाद की 18/11/2022 को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह भी पता चला कि तांत्रे पहले लश्कर का एक आतंकवादी सहयोगी था और पीएसए से रिहा हुआ था। उसके पास से हथियार और आतंकी वारदात में इस्तेमाल वाहन भी बरामद किया गया था।

भारतीय युवाओं के लिए दस देशों में खुलेंगे रोजगार के नए द्वार, सक्रिय हुआ कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत के कुशल कामगारों को दस देशों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने विदेश और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक रोडमैप पर काम तेज कर दिया है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएसडीसी) की रिपोर्ट के आधार पर चिह्नित 10 देशों के दूतावासों को सक्रिय कर उनकी सेक्टरवार स्किल डिमांड का अध्ययन करने के लिए कहा गया है। इसी के आधार पर भारतीय युवाओं को प्रशिक्षण और कौशल विकास किया जाएगा।

केंद्र सरकार दें रही कौशल विकास पर जोर

केंद्र लगातार रोजगार के लिए युवाओं के कौशल विकास पर जोर दे रहा है। इन्हीं प्रयासों को अगले पड़ाव तक ले जाने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने भारत से इतर अन्य देशों में रोजगार के मिशन पर भी नजरें जमा दी हैं।

हाल ही में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के साथ वर्चुअल ग्लोबल स्किल समिट की। इसमें एनएसडीसी की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया गया कि भारत में 54 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से अधिक उम्र वाली है और औसत आयु 28.7 वर्ष है। इस आबादी के लिए वैश्विक स्तर पर रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं।

खासतौर पर सरकार की नजर उन देशों पर है, जो घटती श्रम शक्ति की चुनौती से जूझ रहे हैं। 2022 से 2027 तक की

हाल ही में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के साथ वर्चुअल ग्लोबल स्किल समिट की।

जरूरत को देखते हुए एनएसडीसी ने 16 ऐसे देशों का अध्ययन किया, जहां भविष्य में कुशल कामगारों से जुड़ी चुनौतियां बढ़ने जा रही हैं।

रिपोर्ट कहती है कि यूएई, सऊदी अरब, कतर और जर्मनी में भारत के कुशल कामगारों के लिए सर्वाधिक संभावनाएं बनेंगी। फिलहाल अपने मिशन में भारत सरकार ने दस देशों- आस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मलेशिया, मारिशस, सिंगापुर, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन को शामिल किया है।

लक्षित देशों की औसत आयु

आस्ट्रेलिया 37.5 वर्ष, फ्रांस 41.7 वर्ष, जर्मनी 47.8 वर्ष, जापान 48.6 वर्ष, मलेशिया 29.2 वर्ष, मारिशस 36.3 वर्ष, सिंगापुर 35.6 वर्ष, तंजानिया 18.2 वर्ष, संयुक्त अरब अमीरात 30.8 वर्ष, ब्रिटेन 40.6 वर्ष।

ठंड और स्मॉग से फिर खराब हुई राजधानी की हवाः पराली की घटनाओं में आई कमी, फिर भी बढ़ा रहा पॉल्यूशन

नई दिल्ली। दिल्ली में ठंड और स्मॉग की वजह से हवा खराब होती जा रही है। पराली जलने की घटनाओं में कमी आई है, फिर भी पॉल्यूशन कम नहीं हो रहा है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के मुताबिक, रविवार को यहां खराब एयर क्वालिटी देखने को मिली। सुबह करीब 7 बजे AQI 297 दर्ज किया गया है। यहां शनिवार को सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक शहर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा, जो सामान्य से बहुत कम था। इसके पहले राजधानी में 23 नवंबर 2020 को 6.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। उसके बाद से ये पहला मौका है कि यहां सबसे कम तापमान रहा है।

14 इलाकों में सबसे खराब हालात

राजधानी के 14 इलाकों में सबसे खराब हवा दर्ज की गई है। आनंद बिहार में सबसे ज्यादा हालात खराब है। यहां AQI 378 दर्ज किया गया। इसके अलावा अलीपुर में 312, शादीपुर में 304, द्वारका में 320. आईटीओ में 318, नेहरू नगर में 306, पटपड़गंज में 314, सोनिया विहार में 321, जहांगीरपुरी में 326, रोहिणी में 311, विवेक विहार में 316,

बवाना में 313, मुंडका में 308, बुराड़ी में 314 है।ह्नद्ब 301 से 400 तक बहुत खराब माना जाता है। लिहाजा इन इलाकों में लोगों को सांस लेने में भी मुश्किल हो रही है।

पराली और प्रदूषण के कारण हो रही एयर क्वालिटी खराब

गाड़ियों से हो रहे प्रदूषण की वजह से भी हवा पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुताबिक, पंजाब में शुक्रवार को 701 के मुकाबले शनिवार को 426 पराली जलाने की जानकारी सामने आई है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली के PM2.5 प्रदूषण में पराली का हिस्सा शुक्रवार को 11 प्रतिशत से बढ़कर शनिवार को 14 प्रतिशत दर्ज हुआ।

दिल्ली में जीवन का हिस्सा बन गया प्रदूषण-राजधानी के लोगों का कहना है कि प्रदूषण जीवन का हिस्सा बन गया है। अक्टूबर और नवंबर में दिल्ली और NCR में इसकी वजह से बहुत बुरे हालात होते हैं। इन दो महीनों में हम बाहर निकलने से बचते हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि निर्माण, धूल, पराली जलाने और कई अन्य कारण से प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अक्षम्य अपराध

ठीक वैसे ही जैसे जंगल में अवैध कटान के सबूत मिटाने के लिये आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। इस शक की वजह यह भी रही है कि गेहूं की ढुलाई में जिन वाहनों के नंबर दिये गये थे, वे दुपहिया या फिर जाली नंबर वाले निकले। विडंबना देखिये कि एक ओर कुछ लोग दो जून की रोटी नहीं जुटा पाते, वहीं खुले आसमान के तले लाखों टन अनाज बारिश में भीगने के लिये छोड़ दिया जाता है।

गेहूं की बर्बादी की जवाबदेही तय हो/ देश के प्रयासों व किसानों के पसीने से आई हरित क्रांति के चलते प्रचुर मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन के बावजूद देश में कुपोषण और भुखमरी का विश्व सूचकांक ऊंचा रहता है तो उसके मूल में कुव्यवस्था व भ्रष्टाचार भी शुमार रहा है। हरियाणा में खुले में रखा करीब 83 करोड़ मूल्य का 45 हजार मीट्रिक टन गेहूं यदि खराब हुआ तो कहीं न कहीं इसके मूल में भ्रष्टाचार व गैरजिम्मेदारी भी निहित है। विडंबना ही है हरियाणा के कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र तथा फतेहाबाद आदि में खुले में रखे अनाज का बर्बाद हो जाना जो मामले की गंभीर जांच की जरूरत बताता है। कहा जा रहा है कि इस बर्बादी के मूल में भ्रष्टाचार भी एक कारण रहा होगा। ठीक वैसे ही जैसे जंगल में अवैध कटान के सबूत मिटाने के लिये आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। इस शक की वजह यह भी रही है कि गेहूं की ढुलाई में जिन वाहनों के नंबर दिये गये थे, वे दुपहिया या फिर जाली नंबर वाले निकले। विडंबना देखिये कि एक ओर कुछ लोग दो जून की रोटी नहीं जुटा पाते, वहीं खुले आसमान के तले लाखों टन अनाज बारिश में भीगने के लिये छोड़ दिया जाता है। निस्संदेह, यह एक आपराधिक लापरवाही है और इसकी जवाबदेही तय की जानी जरूरी है। बेहद दुखद ही है कि लाखों लोगों के पेट भरने के लिये जुटाई गई फसल खरीद, सुरक्षा और वितरण के लिये जवाबदेह एजेंसियों की काहिली के चलते बर्बाद हो गई। मामले में हरियाणा के खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग की जांच एक ऐसी व्यवस्था की ओर इशारा करती है, जिसमें निहित स्वार्थों के लिये अधिकारी विवेकहीन व्यवहार करते हैं, वहीं कुछ अधिकारियों के लालच की भी भूमिका होती है। तभी तो कहा जाता है कि लालच व्यक्ति के विवेक को निगल जाता है। अन्यथा किसान के खून-पसीने से उगाया और आयकर दाताओं के पैसे से खरीदा गया अनाज खुले आसमान तले यूं ही बर्बाद होने के लिये नहीं छोड़ दिया जाता। निस्संदेह, इस अनाज के सड़ने के मूल में गंभीर आपराधिक लापरवाही निहित है। अधिकारी अपने निजी सामान की अच्छे से देखभाल करते हैं, लेकिन सरकारी अनाज को यूं ही बर्बाद होने के लिये छोड़ देते हैं। मामले के प्रकाश में आने के बाद जवाबदेही से मुक्त होने की दलीलें देने तथा खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के माथे दोष मढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया। दरअसल, वर्ष 2018 में खराब मौसम यानी बारिश में भीग जाने के बाद हजारों बोरी गेहूं को सड़ने दिया गया। बाद में जांच-पड़ताल होने पर इसमें से सुरक्षित गेहूं का अंश अलग कर दिया गया जो बाद में नीलामी में बिक्री योग्य पाया गया। शेष अनाज को सड़ा हुआ घोषित कर दिया गया। बाद में खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के पांच अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया। जिन पर इस नुकसान की जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। जैसा कि अक्सर होता आया है इस मामले के खुलासे के बाद आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। हर कोई जवाबदेही से मुक्त होने का प्रयास करते हुए खुद को पाक-साफ बताने की कोशिश में है। आरोप लगाये जा रहे हैं कि भारतीय खाद्य निगम इसके लिये दोषी है क्योंकि समय रहते अनाज को उठाया नहीं गया। वहीं फर्जी बिलों के मामले उजागर होने से इसमें भ्रष्टाचार की गंध भी आ रही है। जिसकी वजह यह है कि बड़ी मात्रा में गेहूं की ढुलाई के लिये ट्रक के इस्तेमाल के बजाय दोपहिया वाहनों के प्रयोग की बात सामने आई है। बहुत संभव है इसके पीछे कोई रैकेट काम कर रहा हो। जो कुछ अधिकारियों की मिलीभगत और व्यवस्था के छेदों का फायदा उठाकर वारे-न्यारे करने में लगा हो। जिन्हें राजनीतिक वरदहस्त मिलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। निस्संदेह भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही मामले में संलिप्त बड़ी मछलियों पर भी शिकंजा कसे जाने की जरूरत है।

सूक्ति

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।
- प्रेमचंद

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।
- वेदव्यास

लॉफिंग ज़ोन

एक कैप्टन नए रंगरूट को पैराशूट प्रयोग करने का तरीका सिखा रहा था।

रंगरूट ने जानकारी चाही, अगर कूदने के बाद पैराशूट खुल न पाए तो.. ?

कैप्टन ने तपाक से जवाब दिया, ऐसी स्थिति में तुम मेरे पास वापस आ जाना। मैं तुम्हें दूसरा पैराशूट दे दूंगा।

☺ ☺ ☺

मेहमान (मेजबान से)- आखिर बात क्या है मैं जब भी खाना खाता हूं आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।

मेजबान (मेहमान से)- भाई बात यह है कि कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

☺ ☺ ☺

दूधवाला (चिंटू से)- बेटा कभी झूठ नहीं बोलना।

चिंटू (दूधवाले से)- यदि कोई मुझसे दूध में पानी मिलाने के बारे में पूछे तो ?

दूधवाला - कह दो नहीं मिलाया है।

चिंटू - लेकिन हम तो मिलाते हैं।

दूधवाला - हम तो पानी में दूध मिलाते हैं, दूध में पानी कहां मिलाते हैं।

☺ ☺ ☺

एक किशोर शराब पीकर नशे की हालत में सड़क पर खड़ा था।

हवलदार (किशोर से)- यहां क्यों खड़े हो ?

किशोर - इस समय सारा शहर मेरी आंखों के सामने घूम रहा है, अपना घर आते ही घुस जाऊंगा।

अमृत काल में जी-20 की अध्यक्षता

खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ कोविड सहयोग फंड बनाने के भारतीय सुझाव को सहभागी नेताओं ने माना, इसे हम उपलब्धि मान सकते हैं। जी-20 के मंच पर शी चिनफिंग और जो बाइडेन ने लगभग स्पष्ट कर दिया कि हम प्रतिस्पर्धा करें, मगर रेड लाइन को पार न करें। चीन की लक्ष्मण रेखा ताइवान है। शी चाहते हैं कि ताइवान के कंधे से बंदूक चलाना अमेरिका बंद करे, तो बिज़नेस बढ़ाने की बात करें, और पर्यावरण संरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो।

पुष्परंजन

इंडोनेशिया के नूसा डुआ में नौ हज़ार 762 शब्दों का विशालकाय घोषणापत्र। 'जी-20 बाली लीडर्स डिक्लारेशन', के 52 बिंदुओं को पढ़ते-पढ़ते आप थक जाएंगे। इसमें खाद्य सुरक्षा है, जैव विविधता को संरक्षित करने के साथ पर्यावरण को दुरुस्त करने का संकल्प है, महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अवसर देने, स्वस्थ टिकाऊ और सस्ती ऊर्जा, व्यापार जैसे प्रमुख विषय शामिल हैं। घोषणापत्र में सारी समस्याओं का अधिकेंद्र यूक्रेन युद्ध को माना गया है। कोविड के कोढ़ में यूक्रेन युद्ध खाज की तरह। जी-20 का अध्यक्ष देश भारत चाहता है कि यूक्रेन में जंग को तत्काल विराम लगे। मगर, सवाल है कि क्या रूस नूसा डुआ में जारी घोषणापत्र से सहमत है? और राष्ट्रपति पुतिन 9 से 10 सितंबर, 2023 को दिल्ली के प्रगति मैदान में आहूत जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेंगे? ऐसा पहली बार हुआ कि जी-20 के मंच पर सभी नेता ग्रुप फोटो के वास्ते नमूदार नहीं हुए। वजह गुटबाज़ी थी, इसे मानकर चलिए। यहां तक कि शर्ट के रंग भी हममिज़ाज नेता एक-दूसरे से मैच कर पहन रहे थे। कहीं गुलाबी, तो कहीं ब्लू परिधान में भी विश्व नेता नुमायां हुए। 15-16 नवंबर, 2022 के जी-20 सम्मेलन में भारत को पहली बार अध्यक्षता मिली। खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ कोविड सहयोग फंड बनाने के भारतीय सुझाव को सहभागी नेताओं ने माना, इसे हम उपलब्धि मान सकते हैं। जी-20 के मंच पर शी चिनफिंग और जो बाइडेन ने लगभग स्पष्ट कर दिया कि हम प्रतिस्पर्धा करें, मगर रेड लाइन को पार न करें। चीन की लक्ष्मण रेखा ताइवान है। शी चाहते हैं कि ताइवान के कंधे से बंदूक चलाना अमेरिका बंद करे, तो बिज़नेस बढ़ाने की बात करें, और पर्यावरण संरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो। यह भी तय हो गया कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी जे ब्लिंकन 2023 के शुरुआती हफ्तों में चीन की यात्रा करेंगे। लेकिन इस यात्रा से पहले अमेरिका को यह स्पष्ट करना होगा कि चीन के विरुद्ध जो प्रतिबंध लगाये थे, वे हटा दिये गये हैं। इंडोनेशिया के समानांतर मिस्र के शरम अल शेख़ में 6 से 18 नवंबर तक चलने वाले 'सीओपी-27 कांफ्रेंस' में अमेरिकी पर्यावरण प्रतिनिधि जॉन कैरी और उनके चीनी समकक्ष शिए ज़नहुआ के बीच लंबी मुलाक़ात से यह दिखने लगा है कि दोनों दिग्गज देश ग्लोबल वार्मिंग को दुरुस्त करने के प्रति अब गंभीर हैं। तीन महीने पहले यूएस हाउस स्पीकर नैंसी पलोसी की ताइवान यात्रा से जो कड़वाहट पैदा हुई थी, नूसा डुआ से शरम अल शेख़ तक उसे कम करने के प्रयास दिखे हैं। कोविड के बाद लगे प्रतिबंध से जो आर्थिक नुकसान दोनों तरफ हुए हैं, उसकी भरपाई के वास्ते अमेरिकी क्लब के बड़े देश तेज़ी से आगे बढ़े हैं। यह दिलचस्प है कि अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज़ 4 नवंबर, 2022 को चीन के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में चीनी प्रधानमंत्री ली खछियांग से बगलगीर होते दिख रहे थे। जर्मनी को सौ के क़रीब एयरबस का सौदा करना है, बदले में जर्मनी के हैम्बर्ग बंदरगाह के टोलेरोर्ट कंटेनर टर्मिनल पर चीनी जलयान कंपनी कोस्को को 35 फीसद हिस्सेदारी देनी है। अक्तूबर, 2022 तक इसका व्यापक विरोध जर्मनी में हुआ था। हफ्ते भर में चमत्कार हुआ, और जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज़ ने पेइचिंग प्रस्थान से पहले हैम्बर्ग बंदरगाह में चीनी एंट्री को हरी झंडी दे दी। जर्मन नीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र के आगे कैसे नतमस्तक होता है, उसका नमूना है यह। पांच साल पहले 1 दिसंबर, 2016 को जर्मनी जी-20 का सदस्य देश बना था। जर्मनी की देखा-देखी जी-20 के बाक़ी देश चीन की तरफ़ तेज़ी से लपकेंगे, इसे मानकर चलें। फ़िर अमेरिकी प्रतिबंध के बने रहने का मतलब क्या रह जाता है? कोई पूछ सकता है जी-20 के इस मंच पर फायदा किसे और क्यों हुआ है? जो दिखता है, वो यही कि भारत को एक साल के लिए एक बड़े मंच पर नेतृत्व दिखाने का अवसर मिला है। लेकिन वही भारत, दक्षेस को आगे बढ़ाने में विफल क्यों साबित हुआ? इस सवाल का उत्तर भी ढूंढ़ना चाहिए। जी-20 की अध्यक्षता आज़ादी के अमृतवर्ष में मिले, इसकी रणनीति प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत पहले बना ली थी। 30 नवंबर से 1 दिसंबर, 2018 तक अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में जी-20 की शिखर बैठक थी। समापन वाले दिन पीएम मोदी का आग्रह था कि 2022 की शिखर बैठक भारत में हो, ताकि देश की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ की रौनक में चार चांद लग जाएं। इस वास्ते इटली को मनाना आवश्यक था। अर्जेंटीना के बाद 2019 में जापान, नवंबर, 2020 तक सऊदी अरब और इंडिया का टर्न 2021 में आ चुका था। 2022 में जी-20 की अध्यक्षता की बारी इटली की थी। इटली के प्रधानमंत्री जुसेपे कोंते जी-20 की अध्यक्षता को आगे-पीछे करने के वास्ते सहजता से कैसे राजी हो गये? जिसने भी सुना हैरान हुआ। जुसेपे कोंते 30 अक्तूबर, 2018 को दिल्ली आये थे। कोंते की उस यात्रा में भारत-इटली के बीच आर्थिक व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहकार के बड़े-बड़े संकल्प किये गये थे। 29 और 30 अक्तूबर, 2018 को पीएम मोदी को जापान में रहना था, मगर जुसेपे कोंते से मिलने की शिद्दत इतनी थी, कि उस यात्रा को थोड़ा पीछे किया गया। आज़ादी के अमृत वर्ष में भारत को जी-20 की अध्यक्षता का जो अवसर मिला है, उसका श्रेय इटली को जाता है। आज़ादी की लड़ाई विदेशी भगाओ, विदेशी वस्तुओं की होली जलाओ जैसी भावनाओं से लबरेज रही है। क्या उसका जी-20 से कोई मेल है? 1999 में जी-20 की आधारशिला ग्लोबल अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि व ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के निस्बतन रखी गई। सबसे पहले यह आइडिया दुनिया के सात समृद्ध देशों के वित्तमंत्रियों व सेंट्रल बैंक के गवर्नरों ने विकसित किया था। समय के साथ जी-20 में पर्यावरण, आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई और महिला अधिकार जैसे विषय जुड़ते चले गये। सात से बढ़ते-बढ़ते 19 देश और यूरोपीय संघ को मिलाकर 20 समूह, जी-20 के सदस्य हैं। 19 देशों के बीच संगठन की अध्यक्षता बारी-बारी से घूमती रहती है। जी-20 का मंच अमेरिका केंद्रित है, इस सच को स्वीकारने से हम कतराते हैं। याद कीजिए कि डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की वजह से महिला अधिकार जी-20 के एजेंडे में शामिल किया गया था। पेरिस सम्मेलन में पर्यावरण को लेकर अमेरिका अड़ गया, तो जी-20 संकट में आ गया। नूसा डुआ में जो बाइडेन और शी शिद्दत से मिले, तो सबको सम्मेलन की सफलता नज़र आने लगी। यह किसी को नहीं दिख रहा कि 600 बिलियन डॉलर की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का अर्थशास्त्र इस भरत मिलाप के पीछे काम कर रहा है।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

विश्व टेलीविजन दिवस

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / 21 नवंबर

वर्ष 1996 से ही हर साल 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है, जिसकी घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा टीवी के महत्व और असर को देखते हुए एक प्रस्ताव पारित कर की गयी थी। इस साल 2022 में 27 वां वर्ल्ड टेलीविज़न डे 21 नवम्बर को सोमवार के दिन मनाया जा रहा है। इसे विश्व दूरदर्शन दिवस भी कहा जा सकता है। टेलीविजन रेडियो का एक विकसित रूप कहा जा सकता है, भारत में भी पहले दूरदर्शन (टीवी चैनल) आकाशवाणी (भारत का पुराना सरकारी रेडियो चैनल) के साथ जुड़ा हुआ था जो बाद में आकाशवाणी से अलग हो गया। ऐसे में एक और अंतरराष्ट्रीय दिवस जोड़ने का कोई अर्थ नहीं है, उन्होंने क्ष्ङ्क को मात्र सूचना का एक माध्यम बताया। हालांकि उस समय टीवी ज्यादातर अमीर लोगों के पास ही हुआ करते थे इसीलिए इसका विरोध करते हुए उन्होंने कहा की रेडियो एक विशेष सूचना का माध्यम है तथा वे टेलीविज़न की तुलना में रेडियो की भूमिका को बढ़ाना अधिक महत्वपूर्ण समझते है।

भारत में टीवी का आगमन भले ही देरी से हुआ परन्तु 15 सितंबर 1959 को देश के सबसे पहले टीवी चैनल दूरदर्शन की शुरूआत के बाद इस पर कार्यक्रमों के प्रसारण के साथ ही इसे लोकप्रियता मिलनी शुरू हो गई। उस समय यह लोगों के लिए एक नया अनुभव था लोग इसे चमत्कार मानते थे।

पर रोज प्रसारण किया जाने लगा।

शुरूआत में इसका नाम टेलीविजन इंडिया था परन्तु 1975 में इस चैनल का नाम दूरदर्शन रख दिया गया और देश के 7 शहरों तक इस पर समाचार और कृषि दर्शन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को भी प्रसारित किया जाने लगा। जिसके बाद 1980 के दशक में पूरे भारत में रंगीन प्रसारण शुरू हुआ और लोग टीवी के दीवाने हो गए। दूरदर्शन पर आने वाले लोकप्रिय धारावाहिकों जैसे बुनियाद, शक्तिमान, चित्रहार, अलिफ लैला तथा रामायण और महाभारत आदि ने लोगों के दिलों पर राज किया। टीवी के महत्व और हमारे जीवन में इसकी जरूरत को चिन्हित करने के लिए ही प्रत्येक वर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। टेलीविजन ने जनसंचार में अहम भूमिका अदा की है यह संचार और सूचना का एक ऐसा माध्यम है जहां से हमें सभी विषयों से जुड़ी जानकारियां जैसे मनोरंजन, खबरें, सिनेमा, शिक्षा एवं जागरूकता तथा विज्ञान से जुड़ी गतिविधियां और इतिहास हमारे समक्ष दिखाई पड़ता है। टेलीविजन आज हर एक घर में दिखाई दे जाता है यह मनुष्य की आवश्यकताओं में से एक बन चूका है ऐसे में विश्व दूरदर्शन दिवस भी हमारे जीवन में दूरदर्शन के महत्व एवं इसकी जरूरत को सही ढंग से सेलिब्रेट करने का दिन है।

रोचक तथ्य

टेलीविज़न का आविष्कार 'जॉन लोगी बेयर्ड' द्वारा 1925 में किया गया था। 1927 में पहला वर्किंग टेलिविजन फिलो फो र्न्सवर्थो द्वारा निर्मित किया गया। जे.एल.बेयर्ड द्वारा 1928 में कलर टेलीविजन का

शुरुआत 15 सितंबर 1959 को दिल्ली में हुई थी।

1948 में पहली बार टेलीविजन का शॉर्ट फॉर्म टीवी इस्तेमाल किया गया तथा टेलीविज़न शब्द को 1960 में डिक्शनरी में जोड़ा गया। टीवी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रिमोट, यूजीन पोली द्वारा 1955 में बनाया गया। आज टीवी ना केवल मनोरंजन बल्कि कनेक्टिविटी के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारत की पहली न्यूज़ रीडर प्रतिमा पुरी थी। इतिहास में लाइव प्रसारित होने वाला पहला खेल 1936 में आयोजित बर्लिन ओलंपिक गेम्स था।

2 अक्टूबर 1992 को भारत में आया ज़ी टीवी पहला प्राइवेट चैनल था। जिस पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

आज का टीवी स्मार्ट होता जा रहा है आज मार्केट में एलसीडी/एलइडी 4च, अल्ट्रा एचडी और स्मार्ट टीवी की भरमार है। साल 2019 में दूरदर्शन ने अपने स्थापना दिवस के 60 साल पूरे कर लिए हैं।

टेलीविजन का जुड़ाव हमारे जीवन में शुरु से ही रहा है 'ब्लैक एंड वाइट' से लेकर आज के रंगीन और स्मार्ट टीवी के जमाने तक टेलीविजन लोगों के मनोरंजन का पहला और सबसे प्रिय साधन है। आज भी लोगों को टेलीविजन देखना उतना ही पसंद है जितना 20 या 30 साल पहले था।

टीवी के इसी महत्व को समझते हुए विश्व स्तर पर वर्ल्ड टेलीविज़न डे मनाने की घोषणा की गई है। टेलीविज़न को हिंदी में दूरदर्शन कहा जाता है हालांकि आज दूरदर्शन मात्र एक चैनल बनकर रह गया है और इसकी जगह प्राइवेट चैनलों ने ले ली है।

प्रसारणों को भी देख पाते हैं। टेलीविजन मानसिक संतुष्टि प्रदान करने का काम कर सकता है, हम टीवी के माध्यम से अपना मनोरंजन कर सकते हैं। यहां हर आयु वर्ग के लिए चैनलों की भरमार है बच्चों के लिए कार्टून और शिक्षा से जुड़े चैनल है, तो वहीं बुजुर्गों के लिए धार्मिक और भजन कार्यक्रमों के लिए अलग से ही चैनल मौजूद है। साथ ही युवाओं के लिए गाने एवं फिल्मों तथा सीरियल और स्पोर्ट्स चैनल की भी कतार दिखाई देती है। आज मनुष्य के हाथ मोबाइल आ जाने से इसके महत्व में कुछ कमी जरूर आई है वही 90 के दशक में टेलीविजन और रेडियो ही सूचना एवं संचार तथा मनोरंजन का एकमात्र साधन हुआ करता था उस समय चैनल्स भी गिने-चुने ही थे। पिछले कुछ सालों में स्मार्टफोन आ जाने से दुनिया भर में टीवी की मांग में थोड़ी कमी जरूर आई है आज के इस डिजिटल युग में ज्यादातर काम स्मार्टफोन से ही होने लगे हैं। ऐसे में टीवी चैनल ऐप के माध्यम से अब मोबाइल फोंस के जरिए ही लोगों का मनोरंजन करने लगे हैं।

(चिंतन-मनन)

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया। बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्विटर में मस्क ने कई और कर्मचारियों को बर्खास्त करने योजना बनाई

- एलन मस्क अगले सप्ताह कर सकते हैं घोषणा

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर में कर्मचारियों की छंटनी का सिलसिला थम नहीं रहा है। यहां कि एक स्थानीय न्यूज एजेंसी के अनुसार एलन मस्क कंपनी के कई और कर्मचो रियों को सोमवार तक बर्खास्त करने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि सेल्स और पार्टनरशिप डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को निकालने की तैयारी है। इससे पहले ज्यादा समय तक काम करने और नई रणनीति को लेकर ट्विटर से कई इंजीनियर्स ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया था। अक्टूबर में ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद से एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मनमाने तरीके से कई बड़े बदलाव किए हैं। जिसमें सीनियर मैनेजमेंट समेत कंपनी के आधे कर्मचारियों को नौकरी से निकालना और सख्त कार्य संस्कृति को लागू करना जैसे फैसले शामिल है। इससे पहले एलन मस्क ने ट्विटर में काम को लेकर कर्मचारियों को एक अल्टीमेटम दिया था। जिसमें कहा गया था कि उन्हें तेजी के साथ कई घंटों तक काम करना होगा। जो लोग इन शर्तों पर काम करना चाहते हैं उनके पास फैसला करने के लिए एक दिन समय है। अन्यथा उन्हें तीन महीने सैलरी मिलेगी और नौकरी से निकाल दिया जाएगा। मस्क के इस अल्टीमेटम से नाराज कई कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफे दे दिए। कुछ ट्विटर कर्मचारियों का हवाला देते हुए एजेंसी ने बताया कि मस्क ने उन ऑर्गेनाइजेशन में अधिकारियों से ज्यादा कर्मचारियों को निकालने के लिए कहा है। लोगों ने कहा कि मार्केटिंग और सेल्स चलाने वाले रॉबिन व्हीलर और एक अन्य अधिकाने ने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो दोनों ने अपनी नौकरी खो दी। इस पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि व्हीलर ने इस महीने की शुरुआत में ट्विटर से इस्तीफा देने का फैसला किया था, लेकिन बने रहने के लिए आश्वस्त थे। व्हीलर ने मस्क को उन विज्ञापनदाताओं के साथ बातचीत कराने में मदद की है जो ट्विटर की बदलती नीतियों और नजरिये से डरे हुए हैं। कई प्रमुख ब्रांडों ने कहा है कि वे ट्विटर पर खर्च करना बंद कर रहे हैं।

एयर इंडिया में अगले महीने प्रीमियम इकोनॉमी क्लास होगी शुरू

एयरलाइन के सीईओ और एमडी ईओ कैंपबेल विल्सन ने शेयर किया प्लान

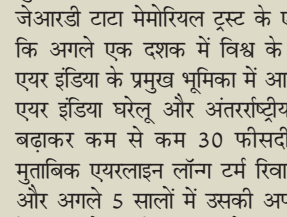

मुंबई । टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया ग्लोबल नेटवर्क और मार्केट शेयर बढ़ाने की ओर कदम बढ़ा रहा है। इस बीच एयरलाइन के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि एयरलाइन लंबी दूरी की इंटरनेशनल फ्लाइट्स में अधिक सुविधाओं वाली इकोनॉमिक क्लास शुरू करने वाली है। मुंबई में जेआरडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट के एक कार्यक्रम में विल्सन ने कहा कि अगले एक दशक में विश्व के एविएशन सेक्टर में भारत और एयर इंडिया के प्रमुख भूमिका में आने के अवसर हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया घरेलू और अंतरर्राष्ट्रीय रूट्स पर अपनी मार्केट शेयर बढ़ाकर कम से कम 30 फीसदी करेगी। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक एयरलाइन लॉन्ग टर्म रिवाइवल प्लान पर काम कर रही है और अगले 5 सालों में उसकी अपने फ्लीट के साथ-साथ ग्लोबल नेटवर्क को बढ़ाने की भी योजना है। विल्सन ने कहा कि निकट भविष्य में गलीचे, पर्दे, सीट कवर-कुशन बदले जाएंगे। हमने घरेलू उड़ानें में मैन्यू पूरी तरह से बदले हैं इसके अलावा लंबी दूरी की अंतरर्राष्ट्रीय उड़ानों में अगले महीने से प्रीमियम इकोनॉमी क्लास शुरू करेंगे। धन और कलपुर्जों के अभाव में एयरलाइन के जो विमान कई सालों से परिचालन में नहीं थे ऐसे करीब 20 एयरक्राफ्ट की मरम्मत की गई है। इसके अलावा 30 एडिशनल एयरक्राफ्ट के लीज तय कर लिए गए हैं जो अगले 12 महीनों में मिलेंगे। इनकी सप्लाई अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। इसके अलावा हमारी बोइंग, एयरबस और इंजन मैन्युफैक्चरर के साथ लेटेस्ट जेनरेशन के एयरक्राफ्ट के ऑर्डर के लिए बात चल रही है।

एयरफोर्स के बेड़े में शामिल हुई टाटा नेक्सान ईवी, 12 कारों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली ।

टाटा नेक्सॉन को लेकर एक बड़ी खबर है। देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार नेक्सॉन ईवी को अब भारतीय वायु सेना ने अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। एयरफोर्स ने फिलहाल 12 कारों को अपने बेड़े में शामिल हकया है। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नेक्सॉन ईवी के पहले बेड़े को हरी झंडी दिखाई गई है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से ग्रीन मोबिलिटी को लेकर एयरफोर्स ने ये फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि नेक्सॉन ईवी की एक्स शोरूम कीमत 17.50 लाख रुपये से शुरू होती है। गौरतलब है कि एयरफोर्स अपने पुराने वाहनों को अब इलेक्ट्रिक व्हीकल से रिप्लेस करने की योजना बना रही है। इसके लिए एयरफोर्स इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के चार्जिंग को लेकर भी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की योजना बना रही है। एयरफोर्स के एक बयान के अनुसार पहली नेक्सॉन ईवी के बेड़े को परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग और एनालिसिस के लिए दिल्ली एनसीआर यूनिट में तैनात किया जाएगा। इसी के साथ एयरफोर्स ने सेना के साथ भी हाथ मिलाया है और इलेक्ट्रिक बसों व कारों की चल रही खरीद के लिए स्टैंडर्डाइज्ड इंवेंटरी बनाने का काम किया जा रहा है। एयरफोर्स के अनुसार ये कदम ईको फ्रेंडली मोबिलिटी की तरफ वायुसेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अक्टूबर में जेम्स और ज्वेलरी निर्यात घटकर 25,843.84 करोड़

अक्टूबर 2021 में रत्न एवं आभूषण निर्यात 30,274.64 करोड़ रुपए रहा था

नई दिल्ली ।

देश का जेम्स और ज्वेलरी निर्यात पिछले महीने अक्टूबर में सालाना आधार पर 14.64 फीसदी घटकर 25,843.84 करोड़ रुपए रह गया। निर्यात में गिरावट का कारण दीपावली के दौरान विनिर्माण गतिविधियां बंद या सीमित रहना है। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने एक बयान में यह जानकारी दी। अक्टूबर 2021 में रत्न एवं आभूषण निर्यात 30,274.64 करोड़ रुपए रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में जेम्स और ज्वेलरी निर्यात में तेजी आने से अप्रैल-अक्टूबर के दौरान वृद्धि कायम रही जबकि पिछले महीने निर्यात में गिरावट दर्ज की गई थी। जीजेईपीसी ने कहा कि अक्टूबर या नवंबर में निर्यात में कमी मौसमी रूझान होता है, क्योंकि दीपावली के पर्व के दौरान मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां या तो बंद रहती हैं या फिर सीमित होती हैं। जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह का कहना है कि दीपावली से पहले भारत में कारखानों में बहुत अधिक व्यस्तता होती है क्योंकि वहां थैंक्सगिविंग और क्रिसमस से पहले निर्यात ऑर्डर पूरा करने की जल्दी होती है। वहीं दीपावली के दौरान यूनिट्स के बंद होने या कामगारों के उपलब्ध नहीं होने से दीपावली के बाद निर्यात में आमतौर पर गिरावट आती है। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आगामी अवकाश और चीन के नववर्ष की वजह से नवंबर और दिसंबर में निर्यात में तेजी आएगी।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 42,173 करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपे नियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 42,173.42 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) को छोड़कर शेष आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इनमें एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी शामिल हैं। सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,706.86 करोड़ रुपए बढ़कर 6,41,898.91 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 9,614.89 करोड़ रुपए बढ़कर 6,70,264.99 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 9,403.76 करोड़ रुपए बढ़कर 12,22,781.79 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 5,869.21 करोड़ रुपए की उछाल के साथ 4,65,642.49 करोड़ रुपए और एचडीएफसी की 3,415.33 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,85,234.16 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 1,508.95 करोड़ रुपए बढ़कर 8,99,489.20 करोड़ रुपए, एसबीआई का मूल्यांकन 1,383.32 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 5,37,841.73 करोड़ रुपए और अडाणी एंटरप्राइजेज का बाजार पूंजीकरण 1,271.1 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,58,263.35 करोड़ रुपए रहा। इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 22,866.5 करोड़ रुपए घटकर 17,57,339.72 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,757.92 करोड़ रुपए घटकर 5,83,462.25 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एचडीएफसी, भारती एयरटेल और अडाणी एंटरप्राइजेज का स्थान रहा।

हरियाणा सरकार ने ईवी नीति 2022 जारी की

हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना होगा सस्ता

नई दिल्ली ।

हरियाणा सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2022 जारी कर दी है। इस पॉलिसी का उद्देश्य राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके पार्ट्स के निर्माण को बढ़ावा देना है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने कहा कि इस नीति के बनने से इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा मिलेगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पॉलिसी में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत को कम करने के प्रावधान किए गए हैं। इसमें हाइब्रिड ईवी के खरीदारों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इससे पहले जून में हरियाणा सरकार ने ईवी निर्माताओं को कई वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश करते हुए ईवी नीति 2022 को मंजूरी दी थी। ईवी नीति फिक्स्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट, राज्य जीएसटी, स्टांप ड्यूटी और रोजगार पैदा करने को लेकर ईवी निर्माताओं को कई वित्तीय प्रोत्साहन देती है। पॉलिसी के तरह 20 साल के लिए इलेक्ट्रिक ड्यूटी में छूट के साथ-साथ स्टाम्प ड्यूटी की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाती है। ईवी पॉलिसी का मकसद पर्यावरण की रक्षा करना, कार्बन फुटप्रिंट को कम करना, हरियाणा को ईवी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना, ईवी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट करना, ईवी वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना और ईवी टेक्नोलॉजी में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करना है। देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले महीने अक्टूबर में ईवी की बिक्री में करीब 185 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस महीने लगभग 1,11,971 इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री की गई। इसमें यात्री वाहनों की की बिक्री शामिल है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फाडा) के मुताबिक पिछले साल इसी महीने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 39,329 इकाई रही थी। इसके अलावा कुल इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों की बिक्री पिछले महीने में 178 प्रतिशत उछलकर 3,745 इकाई रही जो एक साल पहले इसी महीने में 1,346 यूनिट थी।

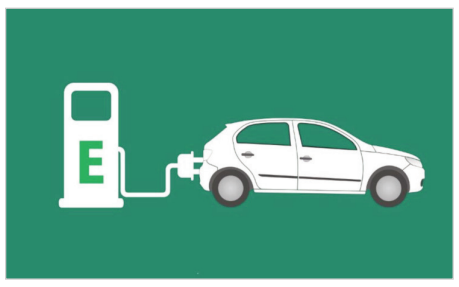

टेस्ला ने अमेरिका में तीन लाख वाहन वापस लिए

लॉस एंजिलिस । टेस्ला ने अमेरिका में 300,000 से अधिक वाहनों को बाजार से वापस ले लिया है क्योंकि सॉफ्टवेयर गड़बड़ी की वजह से गाड़ी के पीछे की लाइट बीच-बीच में बुझ जाती है और ऐसे में टक्कर का खतरा बढ़ जाता है। टेस्ला ने अमेरिका नेशनल हाइवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा पोस्ट किए गए दस्तावेज में कहा कि इस गड़बड़ी से मॉडल तीन और मॉडल वाई की कुछ गाड़ियों में एक या दोनों लाइट प्रभावित हो सकती है। इस ऑटोमोबाइल कंपनी ने कहा कि वह ऑनलाइन सॉफ्टवेयर अपडेट जारी कर रहा है जो इस समस्या को दूर करेगा। उसने जिन गाड़ियों को बाजार से वापस ले लिया है उनमें 2020 से 2023 मॉडल वाई एसयूवी और 2023 मॉडल थ्री सेडान शामिल हैं। कुल 321,628 वाहन वापस लिए गए हैं।

पंजाब एंड सिंध बैंक को चालू वित्त वर्ष में 1,100 करोड़ रुपए के मुनाफे की उम्मीद

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएंडएसबी) को चालू वित्त वर्ष में करीब 1,100 करोड़ रुपए के मुनाफे की उम्मीद है। डूबे कर्ज के समाधान की वजह से बैंक अच्छा लाभ कमाने की उम्मीद कर रहा है। पीएंडएसबी के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए 2,000 करोड़ रुपए के डूबे कर्ज (एनपीए) के समाधान का लक्ष्य दिया था। उन्होंने कहा कि इसमें से 700 करोड़ रुपए की वसूली पहले ही हो चुकी है। साहा ने कहा कि कुछ बड़े मसलन सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज और मीनाक्षी एनर्जी के समाधान आगामी तिमाही में हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आईएलएंडएफएस समूह के कुछ खातों का भी चालू वित्त वर्ष में समाधान होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वसूली बेहतर होने की वजह से हम 2022-23 में 1,100 से 1,200 करोड़ रुपए के मुनाफे की उम्मीद कर रहे हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बैंक ने 483 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। एक साल पहले समान अवधि में यह 392 करोड़ रुपए रहा था। बैंक को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था लेकिन यह इससे उबरने में कामयाब रहा।

एफपीआई ने नवंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 30,385 करोड़ डाले

- एक से 18 नवंबर तक एफपीआई ने 30,385 करोड़ रुपए निवेश किए

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों में आक्रामक लिवाली जारी है। नवंबर में अब तक उन्होंने शेयरों में 30,385 करोड़ रुपए का निवेश किया है। भारतीय रुपए के स्थिर होने तथा दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत होने की वजह से विदेशी निवेशक एक बार फिर भारत पर दांव लगा रहे हैं। बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई का रुख बहुत आक्रामक नहीं रहेगा, क्योंकि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से वे अधिक लिवाली से बचेंगे। उन्होंने कहा कि इस समय चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान के बाजारों में मूल्यांकन काफी आकर्षक है और एफपीआई का पैसा उन बाजारों की ओर जा सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 18 नवंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 30,385 करोड़ रुपए निवेश किए। इससे पहले पिछले महीने अक्टूबर में उन्होंने भारतीय बाजारों से आठ करोड़ रुपए निकाले थे। सितंबर में उन्होंने 7,624 करोड़ रुपए की निकासी की थी। सितंबर से पहले अगस्त में एफपीआई ने 51,200 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। वहीं जुलाई में वे 5,000 करोड़ रुपए के लिवाल रहे थे। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर से लगातार नौ माह तक एफपीआई बिकवाल बने रहे थे। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों के हाल में किए गए निवेश से भारतीय शेयर बाजारों में तेजी, अर्थव्यवस्था में स्थिरता और अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपए की स्थिति बेहतर रहना है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए, तो अमेरिका में महंगाई अनुमान से कम बढ़ी है, जिससे यह संभावना बनी है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी नहीं करेगा। इससे धारणा में सुधार हुआ है और भारतीय बाजार में एफपीआई का निवेश बढ़ा है। हालांकि समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 422 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस महीने में भारत के अलावा फिलिपीन, दक्षिण कोरिया, ताइवान और थाइलैंड के बाजारों में भी एफपीआई का प्रवाह सकारात्मक रहा है।

सरकार ने इस्पात और लौह अयस्क पर घटाया निर्यात शुल्क

- स्टील उत्पाद और लौह अयस्क के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश की स्टील इंडस्ट्री को राहत देते हुए स्टील उत्पादों और लौह अयस्क पर निर्यात शुल्क घटा दिया है। इससे स्टील उत्पाद और लौह अयस्क के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय की ओर से देर रात जारी किए नोटिफिकेशन के मुताबिक, सरकार ने पिग आयरन और स्टील उत्पादों के साथ-साथ लौह अयस्क पेलेट्स पर निर्यात शुल्क शून्य करने का फैसला किया है। इसके साथ ही 58 प्रतिशत से कम लौह वाले लौह अयस्क लम्प्स और फाइन्स पर भी निर्यात शुल्क शून्य किया गया है। वहीं, 58 प्रतिशत से अधिक लौह वाले लौह अयस्क लम्प्स और फाइन्स पर अब निर्यात शुल्क 30 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार स्टील इंडस्ट्री में कच्चे माल के रूप में उपयोग होने वाले एन्थ्रेसाइट, पीसीआई, कोकिंग कोल और फेरोनिकेल पर आयात शुल्क बढ़ाकर 2.50 प्रतिशत कर दिया गया है। जबकि कोक और सेमी-कोक के लिए इसे बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले शून्य था। गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में स्टील मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले थे। इस बैठक में राजस्व विभाग के सचिव संजय मल्होत्रा भी कई अधिकारियों के साथ मौजूद थे। केंद्र सरकार की ओर से इस साल मई में देश में लौह की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए निर्यात शुल्क लगाने का फैसला किया था।

उस समय सरकार द्वारा पिग आयरन और स्टील प्रोडक्ट्स ओर निर्यात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 380 परियोजना लागत 4.58 लाख करोड़ बढ़ी

- देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन से भी परियोजना में विलंब हुआ

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 380 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.58 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है।

मंत्रालय की अक्टूबर, 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,521 परियोजनाओं में से 380 की लागत बढ़ गई है, जबकि 642 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इन 1,521 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,18,597.26 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,76,797.62 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,58,200.36 करोड़ रुपए बढ़ गई है। अक्टूबर, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,90,065.75 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53.95 प्रतिशत है।

हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 513 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 620 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। देरी से चल रही 642 परियोजनाओं में से 136 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 120 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 260 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 126 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 642 परियोजनाओं में हो रही देरी का औसत 42 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है।

चीन में आयात और निर्यात मेले में एक नया इनर्जी वाहन पेश किया गया।

Sports

कतर में फीफा विश्वकप अब तक सबसे महंगा आयोजन होगा

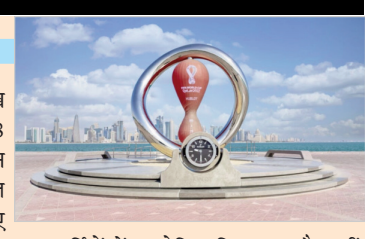

कतर । कतर में फीफा विश्वकप अब तक का सबसे महंगा विश्व कप साबित होगा। इसमें इस बार 229 बिलियन डॉलर तकरीबन 17 लाख करोड़ रुपये की राशि खर्च हो रही है।इससे पहले साल 1994 के फीफा विश्व कप में 500 मिलियन डॉलर का खर्च आया था जबकि 1998 में 2.3 बिलियन डालर, 2002 में 7 बिलियन डालर, 2006 में 4.3 बिलियन डालर, 2010 में 3.6 बिलियन डालर, 2014 में 15 बिलियन डालर, 2018 में 11.6 बिलियन डालर का खर्च आया था। 2010 में यह घोषणा हुई थी कि 2022 का फीफा विश्व कप कतर में आयोजित किया जाएगा। उस समय से लेकर आज तक कतर के पास 12 साल थे। इन 12 सालों में कतर को 8 स्टेडियम, मेहमानों के रुकने के लिए होटल, नई रेल लाइन बिछाने और एयरपोर्ट बनाने थे। कतर में जून और जुलाई में गर्मी भयंकर रूप से पड़ती है। इसलिए इस बार का विश्व कप सर्दियों में आयोजित किया गया है। वहीं स्टेडियम को ठंडा करने के लिए कतर ने एडवांस्ड एयर कंडीशनिंग कुलिंग सिस्टम लगाये हैं। साथ ही स्टेडियम के लिए विशेष घास को अमेरिका से खरीदा है।

सूर्यकुमार के शानदार शतक से टीम इंडिया ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को हराया

माऊंगानुइक ।

सूर्यकुमार यादव की शानदार शतकीय पारी के बाद गेंदबाजी के भी अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम ने यहां हुए दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में न्यूजीलैंड को 65 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने सूर्यकुमार के शतक से निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 191 रन बनाये। सूर्यकुमार ने 51 गेंदों पर 11 चौकों और 7 छक्कों की सहायता से 111 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड टीम 18.5 ओवर में ही 126 रनों पर सिमट गयी। कीवी टीम की ओर से कप्तान केन विलियमसन के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। विलियमसन ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाये। वहीं भारत की ओर से दीपक हुड्डा ने 4 जबकि मोहम्मद सिराज और यजुवेन्द्र चहल ने 2-2 विकेट लिए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इससे पहले सुबह कीवी कप्तान ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। उनका ये फैसला सही नहीं रहा। भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार ने जमकर बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में ही शतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अलावा ईशान किशन ने 36 जबकि श्रेयस अय्यर ने 13 रन बनाये पर ये बड़ी पारी नहीं खेल पाये। वहीं भारत ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पारी की शुरुआत के लिए भेजा पर वह विफल रहे और छह रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। भारतीय टीम ने पॉवरप्ले में एक विकेट पर 42 रन बनाए।

विराट कोहली की जगह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार ने अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने अपनी पारी के अंतिम 64 रन केवल 18 गेंद पर बना दिये। लॉकी फर्ग्यूसन के 19वें ओवर में सूर्यकुमार ने चार चौके और लंबा छक्का लगाय। उनकी बल्लेबाजी के सामने मेजबान गेंदबाज बेबस नजर आये भारतीय टीम ने अंतिम पांच ओवर में 72 रन बटोरे। इसके बाद हालांकि टिम साउदी ने अंतिम ओवर में हैट्रिक लगा दी।

मनिका एशियाई कप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी

बैंकॉक।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने आईटीटीएफ एटीटीयू एशियाई कप में कांस्य पदक जीता है। इसी के साथ ही मनिका एशियाई कप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी हैं। मनिका ने विश्व की छठे नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना हायाता को प्लेआफ में 11-6, 6-11, 11-7, 12-10, 4-11, 11-2 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा किया। मनिका को इस जीत के साथ ही 10000 डॉलर का इनाम भी मिला है। जीत के बाद मनिका ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैंने खेल का पूरा आनंद लिया और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। मैं भविष्य में भी इसी प्रकार का प्रयास जारी रखूंगी। इससे पहले मनिका को सेमीफाइनल में जापान की चौथी वरीय मीमा इतो ने 8-11 11-7 7-11 6-11 11-8 7-11 (2-4) से हराया था। गैर वरीयता प्राप्त मनिका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। इससे पहले मनिका ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू यू को 4-3 से हराया था।

पुजारा ने पांच साल बाद अर्जुन अवॉर्ड लिया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पांच साल के बाद अर्जुन अवॉर्ड लिया है। इससे पहले वह खेल में व्यस्त होने के कारण साल 2017 से ही यह अवार्ड नहीं ले पाये थे। अब यहां आयोजित 'हैंड ओवर' समारोह में उन्हें ट्रॉफी उठाने का अवसर मिला। अब खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने ट्वीट किया, '' बीसीसीआई और अनुराग ठाकुर को अर्जुन पुरस्कार सौंपने के लिए यह सम्मान आयोजित करने के लिये मेरा धन्यवाद। इसे मैं अपनी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण उस साल ले अब तक ग्रहण नहीं पाया था। अब में इसे लेकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आभारी भी हूं।'' पुजारा सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, पर विजय हजारे ट्रॉफी के कारण अभी वह दिल्ली में हैं। वह अगले महीने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करने वाली भारत ए टीम में भी शामिल रहेंगे। पुजारा ने पिछले दिनों काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में वापसी की है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय अंडर-19 महिला टीम का ऐलान,

श्वेता सेहरावत को मिली कप्तानी

मुंबई ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की अंडर-19 महिला टी20 श्रृंखला में श्वेता सेहरावत भारत की कमान संभालेंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को यह जानकारी दी। यह श्रृंखला जनवरी 2023 में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगी। ऊपरी क्रम की बल्लेबाज सेहरावत इस माह समाप्त हुई अंडर-19 टी20 चैलेंजर ट्रॉफी में एक टीम की कप्तानी कर चुकी हैं। वह टूर्नामेंट की चार पारियों में 111.64 के स्ट्राइक रेट से 164 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। इसके बाद सेहरावत ने वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और भारत की दो टीमों के बीच खेली गई चौतरफा श्रृंखला में भी 151.85 के स्ट्राइक रेट से 164 रन बनाये थे। बल्लेबाज सौम्या तिवारी को टीम का उपकप्तान चुना गया है। उन्होंने टी20 चैलेंजर ट्रॉफी में 79.25 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बनाये थे। इसके अलावा शिखा शालोट और तृषा जी को भी शीर्ष चार बल्लेबाजों में जगह दी गई है। ऋषिता बसु और नंदिनी कश्यप को 15-सदस्यीय स्क्वाड का विकेटकीपर नामित किया गया है। चैलेंजर ट्रॉफी में कम से कम 50 गेंदों का सामना करने वाले बल्लेबाजों में बसु (132.25) का स्ट्राइक रेट सर्वश्रेष्ठ था। गेंदबाजी आक्रमण में सोनम यादव, अर्चना देवी और तीता साधु शामिल हैं। सोनम ने चैलेंजर ट्रॉफी के चार मैचों में 3.81 की इकॉनमी से सात विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। सूची में दूसरे स्थान पर रहने वाली अर्चना ने छह विकेट चटकाये थे। साधु ने बंगाल महिला टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए हालिया महिला टी20 ट्रॉफी के चार मैचों में 4.07 की इकॉनमी से दो विकेट लिए। सीरीज के सभी मैच मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे। भारत श्रृंखला से पहले न्यूजीलैंड टीम 22 नवंबर और 24 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो टी20 मुकाबलों में वेस्टइंडीज का सामना करेगी।

भारतीय स्क्वाड : श्वेता सहरावत (कप्तान), सौम्या तिवारी (उप-कप्तान), शिखा शालोत, तृषा जी, सोनिया मेहदिया, हर्लें गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पारशवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी

संक्षिप्त समाचार

टी20 विश्वकप की हार के लिए कोई बहाना नहीं बना सकते : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी0 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचना भी कम बात नहीं है। इसलिए टीम की आलोचना नहीं होनी चाहिये। अश्विन ने कहा , मैं समझ सकता हूं हमारे देश के क्रिकेट प्रेमी काफी निराश हैं। हम इस हार के लिए कोई बहाना नहीं बना सकते हैं। सबको लगता है भारतीय टीम फाइनल तक पहुंचने में विफल रही और खिताब नहीं जीत पायी। मैं देश के क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं का सम्मान करता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, कोई भी बहाना क्रिकेट प्रेमियों को राहत नहीं दे सकता है। हारना हमारे लिए भी काफी निराशाजनक पल था पर हमें इस दुखद परिस्थिति से अब बाहर निकला ही होगा। उन्होंने टी20 विश्वक कप में मिली सफलता पर भी बात की। उन्होंने कहा, भारतीय टीम टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक पहुंचने में कामयाब रही। यह भी कम बात नहीं है। उन्होंने इस बात को भी माना कि प्रशंसकों के साथ-साथ भारतीय खिलाड़ी भी इस हार से काफी निराश हैं।

सेनेगल के अनुभवी फुटबॉलर सादियो माने विश्वकप से बाहर हुए

दोहा । सेनेगल के अनुभवी फुटबॉलर सादियो माने विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। माने पैर की सर्जरी के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। उनके क्लब बायर्न के अनुसार माने के दाहिने पैर की सर्जरी हुई है। उन्हें जर्मन लीग के मैच में वेडर ब्रेमेन के खिलाफ मुकाबले में यह चोट लगी थी। वहीं बायर्न ने कहा, '' अग्रिम पंक्ति का यह खिलाड़ी सर्जरी के कारण अब विश्व कप में सेनेगल की ओर से नहीं खेल पायेगा। उन्हें अब कुछ दिनों में म्यूनिख में रिहैबिलिटेशन (उपचार से उबरने की प्रक्रिया) शुरू करनी रहेगी। '' वहीं सेनेगल टीम के चिकित्सक मैनुअल अफोंसो ने इससे पहले कहा था कि माने विश्व कप के कुछ मैचों में खेलेंगे पर अब इसकी सभी संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। उन्होंने कहा, '' हमने एमआरआई देखा है जिसमें उनके उबरने की प्रक्रिया उम्मीदों के अनुरुप नहीं है।'' सेनेगल की टीम सोमवार को अपने पहले ग्रुप ए में मैच में नीदरलैंड से खेलेगी उसके पहले ही माने का बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका है। इसके बाद उसका सामना कतर और इक्वाडोर से होगा। माने साल 2012 से ही सेनेगल फुटबॉल टीम की ओर से खेल रहे हैं। उनके नाम 96 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 36 गोल हैं। इसी सत्र में वह बायर्न म्यूनिख से जुड़े हैं। इस क्लब की ओर से उन्होंने 14 मुकाबलों में 6 गोल किये हैं।

धोनी ने खरीदी नई कीया इवी 6 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर कार

रांची, दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक नई कीया इवी 6 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर कार खरीदी है। इसी के साथ ही धोनी के वाहनों के बेड़े में एक नई कार भी जुड़ गयी है। एक नये वीडियो में धोनी की इस नई कार को टेम्परेरी नंबर प्लेट और मूनशाइन रंग में देखा जा सकता है। किआ सीबीयू यानी कंप्लीटली बिल्ट यूनिट के जरिए भारत में ईवी6 की 200 कारें लेकर आई है। अब तक इवी6 की सभी यूनिटें बिक गयी हैं। किया अब भारतीय बाजार के लिए और ज्यादा कारें लाने में लगी है। कीया ने भारतीय बाजार में इवी 6 को दो अलग-अलग मॉडल्स में लॉन्च किया है। पहला मॉडल फ्रंट-माउंटेड सिंगल मोटर और टू-व्हील-ड्राइव कॉनफ़िगरेशन में आता है। वहीं इसकी कीमत 59.95 लाख रुपये है। यह अधिकतम 229 पीएस की पावर और 350 एनएम का पीक टॉर्क देती है। वहीं दूसरा ऑल-व्हील-ड्राइव मॉडल है, जिसके हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी हुई है। इसका पावर आउटपुट को बढ़ाकर 325 पीएस और 605 एनएम का पीक टॉर्क दिया गया है। इस वेरिएंट की कीमत 64.95 लाख (एक्स-शोरूम) है।

धोनी के पास पहले से कई एक से बढ़कर एक कारें और बाइक हैं। उनके कार कलेक्शन में मर्सिडीज-बेंज जीएलई, लैंड रोवर 3 ऑडी क्यू 7 और जीप ग्रैंड चेरोकी ट्रैकहॉक जैसे कुछ पॉपुलर फोर व्हीलर मॉडल्स भी शामिल हैं। इसके अलावा बाइक में कन्फेडरेट हेलकैट एक्स32, यामाहा आरडी350, हार्ले-डेविडसन फैटबॉय बीएसए गोल्डस्टार आदि हैं।

सीमित ओवरों के प्रारूप से टेस्ट का दर्जा काफी ऊपर: मिशेल स्टार्क

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अपने करियर के अगले चरण में सीमित ओवरों के प्रारूप को अलविदा कहना होगा क्योंकि उनके लिए लाल गेंद के प्रारुप का करियर 'सबसे पहले' आता है। यह 32 साल का वामहस्त गेंदबाज उन छह खिलाड़ियों में से है जो ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूप में खेलते है। स्टार्क ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के दूसरे मैच में 47 रन देकर चार विकेट लिये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 की अजेय बढ़त कायम कर ली। स्टार्क ने कहा, 'टेस्ट (हमेशा) शीर्ष स्थान पर रहेगा। यह प्रारूप सीमित ओवरों के प्रारूप से काफी ऊपर है।'' स्टार्क के टीम की 2023 विश्व कप योजनाओं में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। उन्होंने वेस्ट इंडीज और यूएसए में होने वाले 2024 टी20 विश्व कप में खेलने की इच्छा का भी संकेत दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं बाकी चीजों के बारे में बाद में फैसला करूंगा। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मेरा शरीर कैसा महसूस करता है। खेलना मुझे पसंद है और अगर लय सही रही और टीम में चयन हुआ तो मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा।' इस अनुभवी गेंदबाज ने कहा कि आज के दौर की व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी खिलाड़ी के लिए तीनों प्रारूप में खेलना 'असंभव' की तरह है। उन्होंने कहा, 'तीनों प्रारूप के खिलाड़ी के रूप में हर मैच को खेलना इस समय लगभग असंभव है।' अपने कार्यभार को बनाए रखने के लिए, स्टार्क ने 2015 से आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेना छोड़ दिया है।

अय्यर हिट विकेट होने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने

माऊंगानुइक । भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर बदकिस्मती से हिट विकेट होकर पेवेलियन लौट गये। वह हिट विकेट होने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले हार्दिक पांड्या , हर्षल पटेल और लोकश राहुल जैसे बल्लेबाज इस सूची में शामिल हैं। अय्यर मैच में अच्छी लय में नजर आ रहे थे पर 9 गेंद पर 13 रन बनाकर वह अपना विकेट खो बैठे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 1 चौका और 1 छक्के लगाया। वह लोकी फुर्गुसन की गेंद पर वह हिट विकेट हो गये। भारत की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे पहले राहुल हिट विकेट हुए थे। वह श्रीलंका के खिलाफ 2018 में 18 रन बनाकर हिट विकेट हुए थे। वहीं साल 2021 में हर्षल भी 18 रन बनाकर ही न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी प्रकार आउट हुए थे।

15 फरवरी से शुरू हो सकती है भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, दो वेन्यू दिल्ली और अहमदाबाद किए गए फाइनल

नई दिल्ली (मुंबई)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले साल फरवरी-मार्च में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। कंगारू टीम अभी 70 फीसदी अंक के साथ टॉप पर है, जबकि भारतीय टीम 52 फीसदी अंक के साथ चौथे नंबर पर है। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा सीजन है। भारतीय टीम पहले सीजन के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही थी। हालांकि उसे न्यूजीलैंड से हार मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसके 15 फरवरी 2023 से शुरू होने की उम्मीद है।

टेस्ट सीरीज 15 फरवरी से शुरू हो सकती है। बीसीसीआई वेन्यू को लेकर भी चर्चा कर रहा है। सीरीज के दिल्ली और अहमदाबाद 2 वेन्यू ही अब तक तय हुए हैं। दिल्ली में 5 साल बाद कोई टेस्ट होने जा रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में बने रहने के लिए रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम को यह सीरीज 4-0 से जीतनी होगी। दोनों देशों के बीच 2024 से होने वाली सीरीज में 4 की जगह अब 5 टेस्ट खेले जाएंगे। इसे फ्यूचर टूर प्रोग्राम में भी शामिल किया गया है।

दिल्ली और अहमदाबाद के अलावा धर्मशाला, नागपुर या चेन्नई में अन्य 2 टेस्ट मैच खेले जा सकते हैं। टीम इंडिया अभी न्यूजीलैंड दौरे पर है। वहां उसे 3 टी20 और 3 वनडे खेलने हैं। इसके बाद भारतीय बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। वहां उसे 2 टेस्ट और 3 वनडे के मुकाबले खेले होंगे। टीम इंडिया का रिकॉर्ड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में अच्छा रहा है। ऐसे में टीम इसे बरकरार रखना चाहेगी। भारत में दोनों के बीच अब तक 50 टेस्ट खेले गए हैं। भारतीय टीम 21 टेस्ट जीतने में सफल रही है। 13 टेस्ट पर कंगारू टीम ने कब्जा किया है। एक मैच टाई रहा जबकि 15 टेस्ट ड्रॉ रहे। ओवरऑल टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। दोनों के बीच कुल 102 टेस्ट खेले गए हैं। टीम इंडिया 30 टेस्ट जीतने में सफल रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 43 में जीत हासिल की है। इसी साल साउथ अफ्रीका में मिली हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट टीम की कप्तानी से भी इस्तीफा दे दिया था।

फिनलैंड में एफआईएस अल्पाइन महिला स्की विश्वकप में भाग लेती हुई मिकेला शिफरिन।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में सिख समुदाय के लिए बड़ी खबर, एक विश्वविद्यालय ने सिख छात्रों को कृपाण धारण करने की दी अनुमति

न्यूर्याक । अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि वह सिख छात्रों को परिसर में कृपाण धारण करने की अनुमति देगा। सिख धर्म में कृपाण एक धार्मिक वस्तु है। यह कदम करीब दो महीने पहले कृपाण रखने की वजह से चार्लोट में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलाइना के एक छात्र को हथकड़ी लगाए जाने की घटना का वीडियो वायरल होने के बाद उठाया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलाइना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि छात्रों को परिसर में कृपाण धारण करने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते कृपाण के ब्लेड की लंबाई तीन इंच से ज्यादा न हो और ''इसे हर वक्त कपड़ों के अंदर शरीर से चिपकाकर रखा जाए।'' बयान में कहा गया है, ''विविधता तथा समावेशन कार्यालय ने इंस्टिट्यूशनल इंटीग्रिटी के सहयोग से हमारे पुलिस विभाग में इस सप्ताह अतिरिक्त जागरूकता प्रशिक्षण भी दिया और परिसर में सभी को सांस्कृतिक शिक्षा तथा प्रशिक्षिण के अवसर देने के लिए काम किया जाता रहेगा।'' विश्वविद्यालय ने इस कदम में मदद देने के लिए गैर लाभकारी संगठन 'द सिख कोलिशन' और 'ग्लोबल सिख काउंसिल' समेत सिख नेताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद के लिए भारत से समाधान की तलाश : डब्ल्यूईएफ

न्यूर्याक । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) को दुनियाभर में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद के लिए भारत से समाधान की तलाश है। डब्ल्यूईएफ के एक वरिष्ठ कार्यकारी रॉबर्टो बोका ने यहां पीटीआई-को बताया कि मंच का जोर है कि हर जगह की सर्वोत्तम प्रथाओं को सभी के लिए उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा, ''भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने में जो प्रगति की है, वह बेहतरीन है। अगर मैं गलत नहीं हूं तो आंकड़े बता रहे हैं कि आपकी मांग बढ़ी है, लेकिन आपने कोयले की मांग से ऊर्जा की मांग को अलग कर लिया है। यह बेहद महत्वपूर्ण बात है।'' बोका डब्ल्यूईएफ की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। वह ऊर्जा और सामग्रियों के भविष्य को आकार देने वाली समिति के प्रमुख भी हैं। उन्होंने बताया कि मंच भारत में शहर, परिवहन और औद्योगिक मांग जैसे क्षेत्रों में काम कर रहा है। भारत में कार्बन उत्सर्जन घटाने के क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन सहित कई नवाचार हो रहे हैं और डब्ल्यूईएफ को भारत से समाधान की उम्मीद है।

पाक फौजी की हत्या के बाद तालिबानी जवान ने किया जेहाद का ऐलान, चरम पर पहुंचा दोनों देशों के बीच तनाव

काबुल । पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। पिछले दिनों चमन सीमा पर एक पाकिस्तानी सैनिक की हत्या कर दी गई। इस पाकिस्तानी जवान को एक तालिबानी सैनिक ने मार दिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें तालिबान सैनिक पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद का ऐलान कर रहा है। यही नहीं, उसने अन?य तालिबानियों से भी कहा कि वे भी ऐसा ही करें। तालिबानी सैनिक ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सैनिक अफगानों का अपमान कर रहे हैं। पाकिस्तानी सैनिक को मारने वाले तालिबानी सैनिक की सोशल मीडिया में सक्रिय तालिबानी प्रशंसा कर रहे हैं। उसने यह भी कहा कि यह हमला उसने खुद से प्रेरित होकर किया है। इस घटना के बाद से पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव चरम पर जा पहुंचा है। चमन सीमा को एक और दिन के लिए बंद किया गया है। पाकिस्तान और तालिबान के बीच कई बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक इसका हल नहीं निकल पाया है। तालिबानी सैनिक के हमले में दो पाकिस्तानी सैनिक घायल भी बताए जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच बैठक में पाकिस्तान ने मांग की कि तालिबानी सैनिक से दोनों ही पक्ष मिलकर पूछताछ करें। हालांकि अभी इस पर फैसला नहीं हो पाया है। इस बॉर्डर के बंद होने की वजह से व्यापार भी ठप हो गया है। बताया जा रहा है कि अब दोनों ही देशों की सरकारों के बीच इस पूरे मामले को लेकर बातचीत चल रही है। बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर लंबे समय से तनाव जारी है। अशरफ गनी सरकार और अब तालिबान दोनों के शासनकाल में पाकिस्तानी सैनिकों के साथ खूनी झड़पें हो रही हैं। पिछले दिनों पाकिस्तानी फाइटर जेट तो अफगानिस्तान की सीमा में घुस गए थे और कई जगहों पर बम गिराए थे। दोनों ही देशों में डूरंड लाइन को लेकर भी विवाद है। पाकिस्तान सीमा पर बाड़ लगाना चाहता है, ताकि टीटीपी जैसे आतंकी अफगानिस्तान से न घुसने पाएं। तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान को अलग करने वाली डूरंड रेखा सही नहीं है। तालिबानी कई पाकिस्तानी इलाकों पर अपना दावा बताते हैं। इस वजह से अक्सर दोनों के बीच झड़प और गोलाबारी होती रहती है।

मौसम के कारण गरीब देशों को हुए नुकसान के बदले धन मुहैया कराने की बातचीत में संरा में संकेत नहीं

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र में जलवायु वार्ता के गतिरोध दूर करने के प्रयासों के तहत एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया, लेकिन मौसम के कारण गरीब देशों को हुए नुकसान के बदले में धन मुहैया कराने समेत अहम मुद्दों पर बातचीत में सफलता मिलने का कोई संकेत नहीं मिला। विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों के अधिकारी एक और दिन की वार्ता के लिए सम्मेलन कक्ष में पहुंचे। मिस्र के प्रतिनिधिमंडल के राजनयिक वाएल अबुलमागद ने कहा, हमे कुछ दस्तावेजों को अंतिम रूप देने की जरूरत थी। ग्लासगो में पिछले साल हुई वार्ता की अध्यक्षता करने वाले ब्रिटेन के आलोक शर्मा ने कहा कि उनकी टीम यह देखने जा रही है कि नया मसौदा क्या है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि यह महत्वाकांक्षी और संतुलित होना चाहिए। इस बीच वार्ता को उस समय झटका लगा, जब अमेरिका के जलवायु परिवर्तन संबंधी मामलों के दूत जॉन केरी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। अफ्रीकी समूह की ओर से एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें वार्ता के बारे में बहुत कम जानकारी है। उन्होंने कहा, हमने गतिरोध दूर करने के लिए रात भर चली बैठक के बारे में सुना, लेकिन हम इसमें शामिल नहीं हुए हैं और हम परिणाम का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद हम फैसला करेंगे। मिस्र जिस तरह से वार्ता की अध्यक्षता कर रहा है, वार्ताकार उससे भी निराश हैं। कुछ वार्ताकारों का कहना है कि बातचीत में पारदर्शिता की कमी है, जबकि अन्य का कहना है कि इस बार वार्ता प्रक्रिया पिछली बार की तुलना में अप्रत्याशित है।

चीन-ताइवान के बीच बेहतर संबंधों के प्रतीक रहे पांडा की मौत

बीजिंग। चीन की तरफ से ताइवान को दिए गए दो विशाल पांडा में से एक तुआन तुआन की संक्षिप्त बीमारी के बाद शनिवार को मौत हो गई। ताइपे के चिड़ियाघर ने यह जानकारी दी। पांडा की मौत की वजह के बारे में तत्काल जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि इससे पहले आ रही खबरों के अनुसार बताया गया था कि पांडा घातक ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित था, जिसकी खबर मिलते ही चीन ने इलाज में मदद के लिए इस महीने दो विशेषज्ञों को ताइवान भेजा गया था। ताइवान की मीडिया में आईं खबरों के अनुसार तुआन तुआन के शरीर में कोई हरकत नहीं थी और शनिवार को कई बार दौरे पड़ने के कारण वह कोमा में चला गया था। चीन और ताइवान के बीच गर्मजोशी भरे संबंधो के दौरान साल 2008 में तुआन तुआन और युआन युआन को चीन ने उपहार में दिया था। ताइवान और चीन 1949 में गृह युद्ध के दौरान अलग-अलग हो गए थे। तुआन तुआन और युआन युआन का जन्म 2004 में चीन में हुआ था। जंगल में रहने वाले पांडा की औसत आयु 15 से 20 साल होती है। मनुष्य की देखभाल में रहने पर वह 30 या उससे अधिक साल जी सकता है। पांडा की जोड़ी के ताइवान आने के बाद से चीन और ताइवान के रिश्तों में लगातार गिरावट आई है। चीन ने स्वतंत्रता समर्थक त्साई इंग-वेन के राष्ट्रपति बनने के बाद साल 2016 में ताइवान से संपर्क खत्म कर लिए थे। साल 2020 में हुए चुनाव में एक बार फिर त्साई इंग-वेन की जीत हुई।

न्यूयार्क में एक महिला बर्फबारी में ढ़की अपनी बेटी की कार निकालती हुई।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने सड़कों को सुरक्षित बनाने की प्रेरणा अपनी बेटियों को बताया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बेटियों के पिता के रूप में अपनी उन चिंताओं का शनिवार को जिक्र किया, जो अपराध पर नकेल कसने और देश की सड़कों को सुरक्षित बनाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए मुख्य प्रेरणा है। पिछले सप्ताहांत बाली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए जाते समय 11 वर्षीय कृष्णा और नौ वर्षीय अनुष्का के पिता ने संवाददाताओं से कहा कि महिला सुरक्षा का मुद्दा उनके लिए निजी तौर पर अहम है। इंफोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता के साथ शादी करने वाले भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने ब्रिटेन में महिलाओं और लड़कियों पर हुए कुछ हालिया हमलों का उदाहरण देकर स्पष्ट कर दिया कि यह उनके लिए एक प्राथमिक मुद्दा है। सुनक ने कहा, ''मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मेरे बच्चे और अन्य लोग सुरक्षित तरीके से घूम-फिर सकें, हर माता-पिता अपने बच्चों के लिए यही चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि अपराध पर नकेल कसकर देश को लोगों के लिए सुरक्षित बनाना एक ऐसी चीज है जो निजी रूप से मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण है। बीबीसी की एक रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि सुनक ने बताया कि उनकी बेटी कृष्णा 11 साल की होने पर लंदन स्थित अपना प्राथमिक स्कूल पैदल जाना चाहती थी। इस कारण, जुलाई में चांसलर के पद से सुनक के इस्तीफा देने से पहले उनका परिवार 11 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपने फ्लैट को छोड़कर बेटी के स्कूल के पास रहने लगा।

नेपाल में आम चुनाव के लिए हुआ मतदान, अब नतीजों का इंतजार

काठमांडू। (एजेंसी)। नेपाल में नयी संसद और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हुआ। नेपाल में मतदाता उस राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त करने की उम्मीद में मतदान कर रहे हैं, जो एक दशक से अधिक समय से देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है और जिसने विकास को बाधित किया है। देशभर में 22,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। देश के गृह सचिव बिनोद प्रकाश सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि स्थानीय समयानुसार अपराह्न दो बजे तक देशभर में 46 प्रतिशत मतदान हुआ था। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। अधिकारियों ने बताया कि कैलाली जिले के धनगढ़ी उप-महानगरीय शहर में शारदा माध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र के पास एक मामूली विस्फोट हुआ।

इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट के कारण मतदान केंद्र में आधे घंटे के व्यवधान के बाद मतदान फिर शुरू हो गया। धनगढ़ी, गोरखा और दोलखा जिलों के 11 इलाकों से विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक होने की कुछ घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन इनका मतदान पर कोई असर नहीं पड़ा। इस बीच, देश के प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने अपने गृह जिले दादेलधुरा में मतदान किया। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने काठमांडू के पास भक्तपुर जिले की सूर्यबिनायक नगर पालिका स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने चितवन जिले की भरतपुर नगर पालिका स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। इस बीच, 113 वर्षीय गोपी माया पोखरेल अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर देश में मतदान करने वाली सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन गईं। पोखरेल ने काठमांडू से 220 किलोमीटर पश्चिम में स्थित तनहुं जिले में मतदान किया। अधिकारियों ने बताया कि पोखरेल के नागरिकता प्रमाण पत्र के अनुसार उनकी जन्मतिथि 22 जून, 1909 है। उन्होंने तनहुं जिले में भानु नगरपालिका के सेपाबगैचा स्थित महादेबता प्राथमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। इसी तरह, 107 वर्षीय जसमणि कामी ने मयागढ़ी जिले के राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला। मुख्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश कुमार थपलियाल ने बताया कि मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच रविवार रात नौ बजे से शुरू होगी। थपलियाल ने भक्तपुर में एक मतदान केंद्र पर मतदान करने के बाद कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद सभी मत पेटियां शाम सात बजे तक मतगणना केंद्रों पर एकत्र की जाएंगी। नेपाली मीडिया ने उनके हवाले से कहा, ''इसके बाद हम करीब एक घंटे तक सभी दलों के साथ बैठक करेंगे और हमें रात नौ बजे तक मतगणना शुरू होने की उम्मीद है।'' चुनाव के लिए 10,892 मतदान केंद्र बनाए गए और 17,988,570 लोग मतदान करने के लिए योग्य बताये गये हैं। थपलियाल ने कहा कि आयोग अगले आठ दिन में चुनाव के सभी नतीजों की घोषणा कर देगा, जबकि आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली के नतीजों की घोषणा आठ दिसंबर तक होगी। नेपाल में संघीय संसद की 275 सीटों और सात प्रांतीय विधानसभाओं की 550 सीट के लिए चुनाव हो रहे हैं।

22 माह बाद ट्रंप की हुई ट्विटर पर वापसी, अकाउंट रेस्टोर होने के बाद तेजी से बढ़ रहे फॉलोअर्स

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्विटर पर पूरे 22 महीने बाद वापसी हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप का अकाउंट रेस्टोर कर दिया गया है। यानी वे अब अपने ट्विटर अकाउंट का पहले की तरह इस्तेमाल कर सकेंगे। डोनाल्ड ट्रंप का अकाउंट रेस्टोर होते ही उनके फॉलोअर तेजी से बढ़ने लगे हैं। जब उनका अकाउंट रेस्टोर किया गया, तब ट्रंप के 2.3 लाख फॉलोअर थे, अकाउंट रेस्टोर किए जाने के कुछ ही मिनटों में उनके फॉलोअर बढ़कर 10 लाख (1 मिलियन) से ज्यादा हो गए। अकाउंट रेस्टोर करने का फैसला कंपनी के नए मालिक एलन मस्क ने खुद के ऑनलाइन पोल के बाद लिया है। यह पोल मस्क ने अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए किया। एलन मस्क ने पोल कर लोगों से पूछा था कि क्या पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट को वापस लाना चाहिए? मस्क का यह पोल काफी चर्चा में है। इस पोल पर 1।5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट किया है। जिसमें से 51।8 फीसदी लोगों ने ट्रंप का अकाउंट रिस्टोर करने का समर्थन किया है। वहीं 48.2 फीसदी लोगों ने अकाउंट दोबारा न शुरू करने की वकालत की है।बता दें कि अमेरिका के कैपिटल हिल में हुई हिंसा के बाद ट्रंप का अकाउटं बैन कर दिया गया था। उन्होंने आखिरी ट्वीट 8 जनवरी 2021 को किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिन लोगों ने भी उनसे पूछा है, उन्हें वे बताना चाहते हैं कि वे 20 जनवरी को होने जा रहे कार्यक्रम में भाग लेने नहीं जा रहे हैं। ट्विटर ही नहीं, बल्कि दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने भी ट्रंप के अकाउंट्स को अपने प्लेटफॉर्म्स पर बैन कर दिया था। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सोशल मीडिया ऐप ट्रुथ सोशल लॉन्च किया था। माना जाता है कि ट्रंप के अकाउंट को बैन करने का फैसला उस समय की पॉलिसी हेड विजया गाड्डे ने लिया था। विजया शुरुआत से ही मस्क के निशाने पर भी रही हैं और ट्विटर डील होते ही शुरुआत में जिन लोगों को निकाला गया उसमें विजया गाड्डे भी शामिल थीं।

किम जोंग उन ने कहा कि आईसीबीएम परीक्षण अमेरिकी खतरे को रोकने की क्षमता साबित करता है

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि हाल में जिस अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया गया, वह एक और 'विश्वसनीय और अधिकतम क्षमता वाला' हथियार है जो अमेरिकी सैन्य खतरे से निपटने के लिए है। सरकारी मीडिया ने शनिवार को कहा कि किम ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को चेतावनी दी कि उनके उकसावे वाले कदमों का परिणाम उनके खुद के विनाश का कारण बनेगा।

इस बीच, अमेरिका ने शक्ति प्रदर्शन के तहत सुपरसोनिक बमवर्षक विमान की उड़ान भर कर उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण का जवाब दिया। उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी 'नॉर्थ कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि किम ने ह्वासांग-17 मिसाइल का परीक्षण देखा तथा कहा कि इसके परीक्षण से उनके देश को बाहरी खतरों से निपटने के लिए एक और ''विश्वसनीय एवं अधिकतम क्षमता'' वाली मिसाइलमिल गई है। शुक्रवार को पड़ोसी देशों ने कहा कि उन्होंने आईसीबीएम का परीक्षण देखा, जिसने अमेरिका के किसी भी क्षेत्र में पहुंचने की अपनी संभावित क्षमता का प्रदर्शन किया। नॉर्थ कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि किम ने अपनी पत्नी री सोल जू और ''प्यारी बेटी'' के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में परीक्षण का अवलोकन किया। उत्तर कोरिया ने पहली बार किम की बेटी की तस्वीर प्रकाशित की है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि किम ने अपने परिवार के साथ मिसाइल परीक्षण देखा, जिससे पता चलता है कि उन्हें इसकी सफलता पर भरोसा था। केसीएनए ने कहा कि प्योंगयांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दागी गई मिसाइल ने देश के पूर्वी तट से दूर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में पूर्व निर्धारित क्षेत्र में गिरने से पहले लगभग 1,000 किलोमीटर की दूरी तय की। ऐसी चिंताएं हैं कि उत्तर कोरिया जल्द ही पांच साल में अपना पहला परमाणु परीक्षण कर सकता है। इस बीच, दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ' के अनुसार, यूएस बी-1बी बमवर्षकों ने उत्तर कोरियाई प्रक्षेपण के जवाब में अन्य दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी युद्धक विमानों के साथ शनिवार को संयुक्त हवाई अभ्यास किया। दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी बमवर्षकों के साथ उनके अभ्यास ने उनके सम्मिलित रक्षा रुख की एक बार फिर पुष्टि की है।

पाकिस्तान सरकार में नये सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर मतभेद बढ़ा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के नये सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर सरकार में मतभेद बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने इस प्रमुख मुद्दे पर विरोधाभासी बयान दिये हैं। सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं और उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति एक प्रशासनिक विषय है। कानून के तहत, मौजूदा प्रधानमंत्री को शीर्ष तीन सितारा जनरलों में से किसी एक का चयन करने का अधिकार है। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नये सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर अपने सरकारी सहयोगियों के साथ शुक्रवार को विचार-विमर्श शुरू कर दिया।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलासा किया कि मंगलवार या बुधवार तक नये सेना प्रमुख के नाम की घोषणा की जाएगी। वहीं, दूसरी ओर गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने कहा कि विचार-विमर्श पूरा हो चुका है और एक या दो दिन में नये सेना प्रमुख की नियुक्ति कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की देरी 'उचित' नहीं होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण

घटनाक्रम में, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता आसिफ अली जरदारी ने कहा कि उनकी पार्टी सेना के लिए पदोन्नति प्रणाली में विश्वास करती है और सैन्य प्रमुख की नियुक्ति का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा इससे संस्था को नुकसान पहुंच सकता है।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''सभी तीन सितारा जनरल सेना प्रमुख का पदभार संभालने के लिए समान रूप से योग्य और सक्षम हैं।'' पीपीपी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार में सबसे बड़ी सहयोगी है। 'डॉन' की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कोविड-19 से संक्रमित पाये जाने के बाद इस समय पृथकवास में रह रहे प्रधानमंत्री शरीफ ने सेना प्रमुख की नियुक्ति पर पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान से भी बात की है।

शनिवार या रविवार को दोनों नेताओं के बीच औपचारिक मुलाकात होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री आसिफ ने शुक्रवार को 'जियो न्यूज' को बताया कि नये सेना प्रमुख की नियुक्ति की कागजी कार्रवाई सोमवार से शुरू हो जाएगी और नियुक्ति मंगलवार या बुधवार को की जाएगी। नये सेना प्रमुख को पदभार सौंपने से संबंधित कार्यक्रम 29 नवंबर को होगा। नियमों के अनुसार, सेना प्रमुख के पद के लिए संभावित नामों को एक पैनल प्रस्तावित करता है और नियुक्ति करने के लिए रक्षा मंत्रालय के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक विवरण भेजा जाता है। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने आरोप लगाया है कि पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित करना चाहते हैं।

कमला हैरिस ने 'बातचीत' का रास्ता खुला रखने के लिए शी चिनफिंग से मुलाकात की

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (चीन और अमेरिका) के बीच बातचीत का रास्ता खुला रखने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए शनिवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ संक्षिप्त बातचीत की। हैरिस और शी ने शनिवार को बैंकॉक में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) मंच के शिखर सम्मेलन में एक बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान अपने विचार एक-दूसरे के समक्ष रखे। हैरिस ने एक ट्वीट में कहा, मैंने राष्ट्रपति शी का अभिवादन किया। उन्होंने लिखा, मैंने राष्ट्रपति बाइडन के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति शी के साथ 14 नवम्बर की अपनी मुलाकात के दौरान जोर देते हुए कहा था कि हमें दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा के जिम्मेदाराना प्रबंधन के लिए बातचीत का रास्ता खुला रखना चाहिए।'' चीन के विदेश मंत्रालय के एक संक्षिप्त बयान में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में बाइडन-शी की बैठक का भी संदर्भ दिया गया है, जिसे उसने पारस्परिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए रणनीतिक और रचनात्मक करार दिया है। बयान में कहा गया है कि उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों देशों के संबंधों को पटरी पर लाने की दिशा में चीन के साथ सक्रिय भूमिका निभाएंगे। हैरिस ने बाद में एपेक की अध्यक्षता अमेरिका को सौंपे जाने से संबंधित समारोह में हिस्सा लिया। अमेरिका अगले साल समूह की बैठकों की मेजबानी करेगा। उन्होंने समारोह में उपस्थित नेताओं से कहा कि अमेरिका सतत आर्थिक विकास को लेकर एपेक पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि थाईलैंड ने इस साल नये महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ मजबूत नींव रखी है। उन्होंने अपने गृह राज्य कैलिफ़ोर्निया की प्रशंसा करते हुए कहा कि एपेक 2023 की मेजबानी के लिए कैलिफ़ोर्निया से बेहतर कोई जगह नहीं है, जो आर्थिक नवाचार के लिए जाना जाता है।

फ्रांस ने संरा सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। फ्रांस ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत, जर्मनी, ब्राजील और जापान की दावेदारी के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। फ्रांस ने ऐसी नयी शक्तियों के अभ्योदय को ध्यान में रखने की जरूरत को रेखांकित किया, जो इस शक्तिशाली वैश्विक निकाय में स्थायी उपस्थिति की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस की उप स्थायी प्रतिनिधि नथाली ब्रॉडहर्स्ट ने शुक्रवार को कहा, ''फ्रांस का रुख स्थिर और सभी को ज्ञात है। हम चाहते हैं कि सुरक्षा परिषद आज की दुनिया का इस तरह से प्रतिनिधित्व करे कि यह इस वैश्विक निकाय के प्राधिकार को और मजबूत कर सके तथा इसे अत्यधिक प्रभावी बनाये।

वह 'सुरक्षा परिषद की सदस्यता में वृद्धि और समान प्रतिनिधित्व के सवाल तथा सुरक्षा परिषद से संबंधित अन्य मामलों' पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्ण बैठक को संबोधित कर रही थीं। ब्रॉडहर्स्ट ने कहा, ''हमें वास्तव में नयी शक्तियों के उभरने को ध्यान में रखना चाहिए जो सुरक्षा परिषद में स्थायी उपस्थिति की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक और सक्षम हैं।'' ब्रॉडहर्स्ट ने कहा कि सुरक्षा परिषद की अपनी कार्यकारी और परिचालन प्रकृति को बनाये रखने के लिए विस्तारित परिषद में 25 सदस्य हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''फ्रांस स्थायी सदस्य के रूप में जर्मनी, ब्राजील, भारत और जापान की उम्मीदवारी का समर्थन करता है। हम अफ्रीकी देशों की स?थायी सद?यों में सहित मजबूत उपस्थिति देखना चाहेंगे। शेष सीटों को समान भौगोलिक प्रतिनिधित्व प्राप्त करने के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि वीटो का सवाल बेहद संवेदनशील है और यह स्थायी सीट के लिए अनुरोध करने वाले देशों पर निर्भर करता है कि वे खुद का आकलन करें। उन्होंने कहा, ''इसके लिए उद्देश्य दोहरा होना चाहिए- एक ओर, सुरक्षा परिषद की वैधता की मजबूती के लिए; तो दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाये रखने में जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाने की क्षमता को सशक्त करने के लिए।'' उन्होंने कहा, ''इसी भावना के तहत फ्रांस ने 2013 की शुरुआत में प्रस्तावित किया था कि परिषद के पांच स्थायी सदस्य स्वेच्छा से और सामूहिक रूप से सामूहिक अत्याचारों के मामले में वीटो के उपयोग को निलंबित कर दें। इस स्वैच्छिक दृष्टिकोण के लिए चार्टर के संशोधन की नहीं, बल्कि स्थायी सदस्यों द्वारा एक राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी।'' ब्रिटेन ने भी विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के समर्थन में आवाज उठायी। ब्रिटेन की दूत बारबरा वुडवर्ड ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा परिषद में सुधार पर

महासभा में चर्चा में कहा, ''हमारा रुख सर्वविदित है। ब्रिटेन लंबे समय से स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में सुरक्षा परिषद के विस्तार का आह्वान करता रहा है।''

उन्होंने कहा, ''हम भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नयी स्थायी सीट सृजित किये जाने के साथ-साथ परिषद में अफ्रीका के स्थायी प्रतिनिधित्व का समर्थन करते हैं। हम सदस्यता की अस्थायी श्रेणी के विस्तार का भी समर्थन करते हैं।'' वुडवर्ड ने कहा कि इन परिवर्तनों के साथ, परिषद आज की दुनिया के लिहाज से अधिक प्रतिनिधित्व करेगा। पंद्रह देशों की परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ने संयुक्त राष्ट्र निकाय में भारत के लिए स्थायी सीट का समर्थन किया है। सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का मौजूदा कार्यकाल अगले महीने परिषद की अध्यक्षता करने के बाद समाप्त हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान : पुलिस के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत लेते एक व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पुलिस के नाम पर एक लाख रुपये की कथित रिश्वत लेने के मामले में रविवार को एक दलाल (निजी व्यक्ति) को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस अधिकारियों की कतिपय संलिप्तता की जांच की जा रही है। ब्यूरो ने यहां बयान जारी कर बताया कि इस मामले में आरोपी दलाल महिपाल जाखड़ को पुलिस के नाम से परिवादी से एक लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि पुलिस थाना चौमूं में पकड़ी गई अवैध शराब के मुकदमे की अंतिम रिपोर्ट प्राथमिकी में उसका नाम नहीं आने देने की एवज में आरोपी महिपाल दो लाख रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है। टीम ने रविवार को आरोपी को परिवादी से एक लाख रुपये लेते गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी महिपाल द्वारा परिवादी से एक लाख रुपये बतौर रिश्वत अपने परिचित आदमी सरपंच उर्फ रामलाल के माध्यम से वसूल कर लिए थे। बयान के अनुसार इस प्रकरण में अन्य संदिग्ध दलाल, पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की संलिप्तता के बारे में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

भारतीय संस्कृति को बचाने विवाह कानून बदलने की मांग

-लिवइन रिलेशनशिप सारे फसाद की जड़

जबलपुर। ब्राह्मण मंडल, जबलपुर की मासिक बैठक में सभी धर्म के विवाह कानून एवं खासतौर पर विशेष विवाह अधिनियम-1954(एसएमए) के उन प्रावधानों का विरोध किया गया है. जिनके कारण युवा पीढ़ी को विवाह प्रक्रिया में माता-पिता की अनदेखी करके मनमाने निर्णय लेने की आजादी मिली हुई है। बैठक में लिव-इन-रिलेशन सिस्टम को मान्यता देने का भी विरोध किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से राजेन्द्र तिवारी,पी.एल.दुबे, डॉ.के.के.गर्ग,महेश प्रसाद चौबे,राजू दुबे,रमेश राय(दीक्षित) एवं राजपूत समाज की ओर से सदनसिंह राजपूत व पटेल समाज के प्रतिनिधियों ने एक स्वर से कहा कि विवाह सिस्टम समाज को तोड़ने के बजाय जोड़ने वाले होना चाहिए। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर ने कहा लिव इन रिलेशन सारे फसाद की जड़ है. यह भारतीय संस्कृति को बर्बाद कर रहा है. जिसपर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिये.

भारत और पाकिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दिखे दो ड्रोन, बीएसएफ की गोलीबारी के बाद वापस लौटे

नई दिल्ली। पंजाब में गुरदासपुर जिले के कस्सोवाल इलाके में भारत और पाकिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने जब शनिवार रातड्रोन पर गोलियां चलाईं तो यह पाकिस्तानी सीमा की ओर लौट गया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ कर्मियों ने ड्रोन पर कम से कम 96 गोलियां चलाईं और पांच रोशनी बम भी फेंके। उन्होंने बताया कि खोज अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अमृतसर जिले के चन्ना पतन इलाके में शनिवार रात 11 बजकर 46 मिनट पर एक अन्य ड्रोन देखा गया। बीएसएफ के जवानों ने उस पर 10 गोलियां चलाईं जिसके बाद ड्रोन वापस चला गया। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान जारी है।

ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी54 को प्रक्षेपित करेगा इसरो

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 26 नवंबर को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी54/ईओएस-06 मिशन के तहत प्रक्षेपण करेगा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि प्रक्षेपण के लिए शनिवार पूर्वाह्न 11 बजकर 56 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इसरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से बताया कि पीएसएलवी-सी54 के जरिए ओशनसैट-3 और आठ लघु उपग्रह- पिक्सेल से 'आनंद', भूटानसैट, ध्रुव अंतरिक्ष से दो थायबोल्ट और स्पेसफ्लाइट यूएसए से चार एस्ट्रोकास्ट- प्रक्षेपित किए जाएंगे।

झारखंड : सीआईएसएफ जवानों और कोयला चोरों के बीच मुठभेड़, चार कोयला चोर मारे गए

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कम से कम चार कोयला चोर मारे गए, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि राजधानी रांची से 200 किलोमीटर दूर धनबाद के बाघमारा थाना क्षेत्र के भीमकनाली ब्लॉक दो क्षेत्र स्थित बेनीडीह कोयला साइडिंग में शनिवार देर रात 12.30 बजे सीआईएसएफ जवानों और कोयला चोरों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। धनबाद की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) रीश्मा रमेशन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'सीआईएसएफ को बेनीडीह कोयला साइडिंग पर बड़ी संख्या में कोयला चोरों के एकत्रित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे सीआईएसएफ जवानों ने कोयला चोरों को रोकने की कोशिश की। हालांकि, कोयला चोरों ने जवानों पर गोलीबारी और पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे वहां मुठभेड़ छिड़ गई।' रमेशन ने बताया कि मुठभेड़ में चार कोयला चोर मारे गए, जबकि छह अन्य घायल हो गए, जिन्हें धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस?पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है और उन्हें रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेज दिया गया है। रमेशन के मुताबिक, चारों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं और मामले की जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ के बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण है। उन्होंने बताया कि गोली लगने से जिन चार युवकों की मौत हुई है, उन सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच की है। सीआइएसएफ ने एक बयान जारी कर कहा, 'कोयला चोरी रोकने के दौरान हुई मुठभेड़ में जवानों से राइफल छीनने की कोशिश की गई, जिसके कारण मुठभेड़ हुई और चार लोगों की मौत हो गई। घटना में हताहत चारों लोग कोयला चोर और असामाजिक तत्व थे।' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में चार लोगों की मौत की हुई है और पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन भी किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में मुठभेड़, लश्कर का हाइब्रिड आतंकवादी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रविवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक हाइब्रिड आतंकवादी मारा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल मुठभेड़ में मारे गए हाइब्रिड आतंकवादी को एक आतंकवादी ठिकाने की पहचान के लिए क्षेत्र में ले गया था। अधिकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना मिलने के बाद दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा स्थित चेकी डूडू इलाके में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया।कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट किया, ''जब तलाशी दल संदिग्ध ठिकाने की ओर पहुंचा, तब आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें कुलगाम का रहने वाला लश्कर का हाइब्रिड आतंकवादी सज्जाद तांत्रे मारा गया।'' पुलिस ने आगे लिखा, ''तलाशी दल आतंकवादी ठिकाने की पहचान के लिए तांत्रे को साथ लेकर पहुंचा था। तांत्रे को एसडीएच बिजबेहरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।'' अधिकारियों ने बताया कि तांत्रे 13 नवंबर को बिजबेहरा के राखमोमेन में एक प्रवासी मजदूर की हत्या में शामिल था। अधिकारियों ने कहा, ''हाइब्रिड आतंकवादी सज्जाद तांत्रे पहले लश्कर आतंकवादियों का सहयोगी था और वह पीएसए से रिहा हुआ था। तांत्रे ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि उसने 13 नवंबर 2022 को अनंतनाग स्थित बिजबेहरा के राखमोमेन में दो प्रवासी मजदूरों पर हमला किया था, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।''

भारत जोड़ो यात्रा राष्ट्रीय राजनीति के लिए एक क्रांतिकारी क्षण है, एक कार्यक्रम नहीं: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि भारत जोड़ो यात्रा राष्ट्रीय राजनीति और पार्टी के लिए एक ''क्रांतिकारी क्षण'' है तथा इसे चुनावी सफलता में तब्दील करने में कुछ समय लगेगा। महाराष्ट्र में पदयात्रा के अंतिम दिन संवाददाताओं को संबोधित करते हुए रमेश ने दावा किया कि लोग एक विकल्प की तलाश कर रहे हैं तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से निजात पाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस एकमात्र विचारधारा है, जो भाजपा और आरएसएस का विकल्प प्रस्तुत करती है। भारत जोड़ो यात्रा राष्ट्रीय राजनीति के लिए एक क्रांतिकारी क्षण है, एक कार्यक्रम नहीं।'' रमेश ने कहा कि यात्रा की सफलता को चुनावी सफलता में तब्दील करने में कुछ वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि यात्रा महाराष्ट्र में 21 और 22 नवंबर को रुकी रहेगी और 23 नवंबर को मध्य प्रदेश की ओर बढ़ेगी। पार्टी ने इससे पहले कहा था कि यात्रा रविवार को मध्य प्रदेश की ओर बढ़ेगी और बुरहानपुर में रात्रि विश्राम करेगी।

कांग्रेस के पहले के कार्यक्रम के मुताबिक, यात्रा को सोमवार को विश्राम दिया जाएगा। चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी के सोमवार को गुजरात का दौरा करने का कार्यक्रम है। रमेश ने यात्रा के लिए अत्यधिक अच्छी व्यवस्था करने को लेकर कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्रदेश इकाई यात्रा की सफलता के जरिये 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सफल होने के लिए राज्य के सभी छह राजस्व संभागों में छह रैलियां आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस का गढ़ रहा है और यात्रा की सफलता पार्टी के चुनाव चिह्न 'हाथ' का राज्य में हर जगह नजर आना सुनिश्चित करेगी। रमेश ने कहा कि महिलाएं, युवक और किसान यात्रा के मुख्य भागीदार हैं।

उन्होंने कहा, ''दलित और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) संगठनों के साथ अपनी बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना की तत्काल जरूरत है।'' उन्होंने दावा किया कि यात्रा ने एक प्रेरक संदेश दिया है और एक 'नयी कांग्रेस' उभर रही है। उन्होंने कहा, ''पार्टी के आलोचकों की आवाज अब शांत हो गई है।'' उन्होंने कहा कि संगठन में भविष्य में बदलाव यात्रा के अनुभवों के आधार पर किये जाएंगे।

रमेश ने कहा कि यात्रा के दौरान आर्थिक

विषमता, ध्रुवीकरण और राजनीतिक तानाशाही जैसे मुद्दों को उजागर किया गया। यात्रा के लिए महाराष्ट्र समन्वयक बालासाहेब थोराट ने कहा कि यात्रा के तहत राज्य में 380 किमी से अधिक की दूरी तय की गई है। उन्होंने कहा, ''पदयात्रा के दौरान, लोगों के साथ राहुल गांधी की बातचीत स्मरणीय है।

काशी-तमिल समागम उत्तर और दक्षिण की साझी संस्कृति को करीब लाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक माह तक चलने वाले काशी-तमिल समागम से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा है और संबंधित लोग कहने लगे हैं कि इस समागम से उत्तर और दक्षिण की साझी संस्कृति और नजदीक आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एम्फी थिएटर ग्राउंड में पूरे एक महीने तक चलने वाले काशी तमिल समागम की शुरुआत की। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, इस समागम में तमिलनाडु के तीन केंद्रों से 12 समूहों में लगभग 2,500 लोगों के सम्मिलित होने की संभावना है।

काशी के केदार घाट पर पांच पीढ़ियों से रहने वाले तमिलनाडु के चंद्रशेखर द्रविड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलों के लिए जो प्रयास किए हैं, उससे विश्वभर के तमिल गौरवान्वित हुए हैं। चंद्रशेखर द्रविड़ काशी में कर्मकांड और संस्कृत की शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा, 'तमिल और काशी का जुड़ाव युगों-युगों से रहा है। तमिलनाडु में काशी, शिव काशी, तेन काशी, वृद्ध काशी नामक स्थान आज भी काशी-तमिल के जुड़ाव को बताते हैं। आज भी तमिलों के विवाह में जोड़ियों को काशी यात्रा का वचन दिलाया जाता है।'

द्रविड़ ने कहा, 'तमिलों के लिए अपने जीवनकाल में एक बार काशी की यात्रा करना अनिवार्य है। यह समागम उत्तर और दक्षिण की साझी

संस्कृति को और नजदीक लाने का काम करेगा।' पांच पीढ़ी से तमिलनाडु से आ कर काशी में कर्मकांड कराने वाले नारायण धनपति ने कहा कि दक्षिण भारत में चारधाम की यात्रा की तरह ही काशी यात्रा का भी महत्व रहा है। उन्होंने कहा, 'काशी-तमिल समागम की कल्पना मोदी जी को मिली दैवीय प्रेरणा से ही संभव हुई है। यह समागम उत्तर और दक्षिण की साझी संस्कृति को सामने लाने की अनूठी पहल है।÷ तमिलनाडु के विश्वविद्यालय में तमिल पर शोध कर रहे पेरियाकरुप्पन के ने बताया कि काशी-तमिल समागम में हिस्सा लेने के लिए तमिलनाडु से कुल 210 शोधार्थी काशी आएं हैं।

उन्होंने कहा कि काशी-तमिल समागम भारत की दो महान संस्कृतियों के बीच संपर्क और संवाद को गति व प्रगाढ़ता प्रदान करेगा। इससे उत्तर और दक्षिण भारत के रिश्तों को आत्मीय मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि 16 दिसंबर तक चलने वाले इस समागम में तमिलनाडु से 12 समूहों में कुल 2,500 लोगों को काशी आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन समारोह में छात्रों का पहला समूह मौजूद था। अधिकारियों के मुताबिक, एक महीने तक चलने वाले काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की इन दो प्राचीन अभिव्यक्तियों के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों/विद्वानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान, सेमिनार, चर्चा आदि आयोजित किए जाएंगे, जहां दोनों के बीच संबंधों और साझा मूल्यों को आगे लाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

2017 से 2021 के बीच देश में प्रेम संबंधों के कारण की गईं 3,139 लोगों की हत्याएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आफताब अमीन पूनावाला 2018 से श्रद्धा के साथ रिश्ते में था, लेकिन उसने 18 मई 2022 को दोनों के बीच हुए झगड़े के बाद आफताब ने श्रद्धा का गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। उसने लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसके शरीर के कई टुकड़े किए और शरीर के हिस्सों को अलग-अलग जगहों पर ठिकाने लगा दिया। आरोपी आफताब अपराध के छह महीने बाद गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि हाल के दिनों में प्रेम में असफलता के बाद हत्या करने के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एनसीआरबी के आंकड़ो के अनुसार 2017 में देश में प्रेम संबंधों की वजह से कुल 2706 लोगों की हत्याएं की गई थीं, जबकि 2021 में यह संख्या बढ़कर 3,139 हो गई है।

दोनों 2019 से लिव-इन रिलेशनशिप में थे और 8 मई 2022 को दिल्ली चले आए थे। वह पहाड़गंज के एक होटल में सात दिनों तक रहे और फिर 15 मई को श्रद्धा की हत्या के ठीक तीन दिन पहले किराए के मकान में शिफ्ट हो गए। जांचकर्ताओं ने दावा किया कि इस तरह के 'अपराध के जुनून' में हत्यारा कम से कम एक महीने तक व्यथित रहता है और उसके बाद सामान्य होने लगता है, हालांकि यह उल्लेखनीय है कि आफताब ने अपने अपराध के हर सबूत को मिटाने के लिए महीनों तक काम किया।

'अपराध का जुनून' आपने इस शब्द के बारे में सुना होगा, लेकिन आप निश्चित नहीं होंगे कि कानूनी अर्थ में इसका क्या मतलब है। सरल शब्दों में फ्रांसीसी से व्युत्पन्न अपराध का जुनून या 'अपराध जुनून' एक हिंसक अपराध को संदर्भित करता है, विशेष रूप से मानव हत्या, जिसमें अपराधी किसी के खिलाफ अचानक जुनूनी तरीके से अपराध को अंजाम देता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2017 से 2021 तक देश भर में प्रेम संबंधों या अवैध संबंधों के कारण होने वाली हत्याओं की संख्या 2,706 से बढ़कर 3,139 हो गई।

संजय राउत ने कहा कि न तो सावरकर को निशाना बनाया जाना चाहिए और न ही नेहरू को

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, वी. डी. सावरकर या किसी अन्य स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिष्ठा को धूमिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे अपना पक्ष रखने के लिए इस संसार में नहीं हैं। राउत ने कहा कि नेहरू या किसी अन्य ऐतिहासिक शख्सियत को निशाना बनाकर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों का जवाब देने की जरूरत नहीं है। राउत शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े के रुख को स्पष्ट करने के एक दिन बाद यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सावरकर के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने की जरूरत नहीं थी।

उन्होंने कहा था कि यह महाराष्ट्र में कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना के महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन को प्रभावित कर सकता है। राज्यसभा सदस्य ने शनिवार को कहा, ''पंडित नेहरू और सावरकर दोनों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के प्रयास बंद होने चाहिए। देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वाले स्वतंत्रता सेनानी किसी विचारधारा या राजनीतिक दल के नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये नेता अब इस दुनिया में नहीं हैं और इसलिए अब अपना बचाव नहीं कर सकते हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में, नेहरू सावरकर के ''वैज्ञानिक नजरिये'' को अपनाकर भारत को विकास के पथ पर ले गए। उन्होंने कहा, ''नहीं तो भारत एक और पाकिस्तान बन जाता... इसके लिए भारत हमेशा नेहरू का ऋणी रहेगा।'' राउत के शुक्रवार को अपनी पार्टी की नाराजगी स्पष्ट करने के बावजूद, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी की आलोचना करने वालों को पहले यह बताना चाहिए कि ''हिंदुत्व के विचारक को अंग्रेजों से 60 रुपये पेंशन क्यों मिल रही थी।'' गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी ने दावा किया था कि सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी और डर के मारे दया याचिका लिखी थी।

कोर्ट ने तिहाड़ के सत्येंद्र जैन के सीसीटीवी फुटेज लीक करने के लिए ईडी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सत्येंद्र जैन तिहाड़ मसाज मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कथित रूप से तिहाड़ जेल के सीसीटीवी फुटेज लीक करने के लिए नोटिस जारी किया है। ईडी से पूछा गया है कि मीडिया फर्मों को तिहाड़ जेल के लीक फुटेज कैसे मिले। आप नेता सत्येंद्र जैन की ओर से पेश किए गए वकील ने आरोप लगाया है कि ईडी ने फुटेज लीक किए।

ईडी द्वारा अदालत में फुटेज की सुरक्षा का वचन दिया गया था जो अब लीक हो गया है। अदालत ने जांच एजेंसी से यह भी पूछा है कि फुटेज किसने लीक किया। इसके बाद विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने ईडी को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अब मामले की सुनवाई के लिए 21 नवंबर की तारीख तय की है।

ईडी ने सीबीआई की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है, जिसमें इफ्को के एमडी उदय शंकर अवस्थी, ज्योति ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के प्रमोटर पंकज जैन और रेयर अर्थ ग्रुप, दुबई, अमरेंद्र धारी सिंह और अन्य शामिल थे। मामले में सत्येंद्र जैन को भी आरोपी बनाया गया था। सीबीआई ने उन पर कथित रूप से आपराधिक साजिश रचने, धोखाधड़ी और आपराधिक कदाचार करने का आरोप लगाया था। ईडी को जांच में पता चला है कि इफको में अवस्थी और अन्य ने अपराध की आय (पीओसी) उत्पन्न की और इसे विभिन्न असंबंधित संस्थाओं के माध्यम से स्तरित किया और पीओसी का हिस्सा तब उनके द्वारा नियंत्रित संस्थाओं को स्थानांतरित कर दिया गया। आरोपों में भारत के बाहर पंजीकृत कई संस्थाओं (आरोपी व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित) के माध्यम से नकली वाणिज्यिक लेनदेन के एक जटिल वेब के माध्यम से विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से अवैध कमीशन प्राप्त करना शामिल है ताकि धोखाधड़ी वाले लेनदेन को वास्तविक रूप में दिखाया जा सके।

ईडी ने कहा अवस्थी (अमोल अवस्थी और अनुपम अवस्थी के पिता) और परविंदर सिंह गहलौत (विवेक गहलोत के पिता) इफको के प्रबंध निदेशक और आईपीएल के निदेशक (यूएस अवस्थी) और आईपीएल के प्रबंध निदेशक (परविंदर सिंह गहलौत) के रूप में अपनी स्थिति के आधार पर उर्वरक उद्योग में काफी प्रभाव डालते हैं। उनके बेटों के माध्यम से उन्हें कमीशन का भुगतान इफको और आईपीएल के खजाने से होता है, और यह इफको और आईपीएल के शेयरधारकों के साथ धोखाधड़ी है, जिसमें कई राज्य विपणन संघ शामिल हैं, जिसमें विभिन्न राज्य सरकारों के हिस्सेदार हैं।

ईडी को जांच के दौरान यह भी पता चला है कि अवैध तरीकों से भारत में जैन द्वारा 37.12 करोड़ रुपए और 6.18 मिलियन अमरीकी डालर की राशि प्राप्त की गई थी। इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय ने जैन के बिजनेस पार्टनर एडी सिंह और आलोक कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया था, जिनके साथ उसके व्यापारिक संबंध थे। एडी सिंह ने अवैध तरीकों से दुबई से 27.79 करोड़ रुपए भी प्राप्त किए थे। जैन और सिंह दोनों ने भारत में अपराध की आय प्राप्त करने के लिए अग्रवाल द्वारा प्रदान किए गए वाहन का उपयोग किया है। ईडी ने छह आरोपियों के खिलाफ 2021 में एक विशेष अदालत के समक्ष अभियोजन शिकायत भी दर्ज की थी।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आज का भारत स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार कर रहा है

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वामी विवेकानंद को भारत की युवा सामर्थ्य और प्रतिभा का स्वर्णिम प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि आज देश उनके सपनों को साकार कर रहा है। धनखड़ राजस्थान के खेतड़ी (झुंझुनू) में विवेकानंद संदेश यात्रा की शुरूआत के अवसर पर शनिवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''स्वामी विवेकानंद भारत की युवा सामर्थ्य और प्रतिभा के स्वर्णिम प्रतिनिधि हैं और युवा ही समाज को नयी दिशा देने की क्षमता रखते हैं।'' विवेकानंद के संदेश को समाज के लिए सदैव प्रासंगिक बताते हुए धनखड़ ने कहा कि 'आजादी के अमृत महोत्सव' में इस यात्रा का खास महत्व है। 'शिकागो धर्म संसद' में स्वामी विवेकानंद के ओजपूर्ण भाषण को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व को भारत के वेदान्तिक अध्यात्म से परिचित कराया। उन्होंने प्रसन्नता जतायी कि आज का भारत स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार कर रहा है और निरंतर प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है। इससे पहले उपराष्ट्रपति ने खेतड़ी से विवेकानंद संदेश यात्रा राजस्थान की शुरूआत की। सात जनवरी 2023 तक चलने वाली यह यात्रा स्वामी विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, राजस्थान प्रांत तथा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से आयोजित की जा रही है। पचास दिनों में यह यात्रा, राजस्थान के सभी 33 जिलों में जायेगी तथा स्वामी विवेकानंद के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति खेतड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन में गये और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने विवेकानंद गैलरी का भ्रमण किया। राजस्थान सरकार के मंत्री भंवर सिंह भाटी, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के अध्यक्ष ए. बालकृष्णन व रामकृष्ण मिशन खेतड़ी के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज इस अवसर पर मौजूद थे।

27 साल में भाजपा शासन में केवल बड़े बड़े वादे और दावे किए गए : अशोक गहलोत

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच घमासान तेज गया है। भाजपा, कांग्रेस और आप समेत अन्य राजनीतिक दल वोटरों को रिझाने के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात में कांग्रेस की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की जनता भाजपा सरकार के त्रस्त हो गई है और चुनाव में उसे सत्ता से बाहर कर देगी। क्योंकि 27 वर्ष के भाजपा शासन में केवल बड़े बड़े वादे और दावे ही किए गए हैं, जो कहीं भी जमीन पर नजर नहीं आता। जबकि कांग्रेस को बोलती है वह करती है। आज जहां भी भाजपा की सरकार वहां भ्रष्टाचार है। वर्ष 2017 में भाजपा ने गुजरात में 150 सीटों का लक्ष्य दियाथा, लेकिन 99 सीटों पर सिमट कर रह गए थे। 2022 में कांग्रेस ने 125 सीटों का लक्ष्य तय किया है और उसे हासिल करने में हम सफल होंगे। अशोक गहलोत ने महंगाई, बेरोजगारी और बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि यह खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वादे ही लोगों को आकर्षित करते हैं। जीत के बाद वादों का आधार बनाकर फैसले किए जाएंगे। राजस्थान में हमने लागू किया है। पहले मेनिफेस्टों के बारे में कोई बात नहीं थी लेकिन हमने लागूकिया है। राजस्थान की प्रक्रिया गुजरात में भी लागू होगी। राजस्थान मॉडल पर उन्होंने कहा कि हमने जनता से जो वादे किए थे उसे पूरे किए हैं। गुजरात आजादी के पहले एक सक्षम राज्य रहा है और उसका पूरा देश सम्मान करता है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी ने संदेश दिया है। बेरोजगारी और महंगाई ही कांग्रेस का मुद्दा रहेगा। भाजपा को हार दिख रही है इसलिए वह भयभीत है। उन्होंने कहा कि हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर के साथ नहीं होने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अशोक गहलोत ने कहा कि प्रत्येक राज्य और केन्द्र ऋण लेता है यह ऋण लेना कोई गलत नहीं है। जिस काम के लिए ऋण लिया गया है उस पर खर्च किया जाना चाहिए। हमने जो भी

वादे किए वह फाइनांसियल मैनेजमेंट का एक हिस्सा है। बजट और रेवन्यू का कांग्रेस को अच्छा अनुभव है। उन्होंने कहा कि देश की संपत्ति पर प्रत्येक देशवासी अधिकार है और सभी का एक ही संदेश साथ मिलकर देश चलाएं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

कांग्रेस नेता ओम प्रसाद वशिष्ट और मोहम्मद फुरकान कुरैशी 'आप' में शामिल

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार में आज कांग्रेस नेता ओम प्रसाद वशिष्ट और मोहम्मद फुरकान कुरैशी अपने सैंकड़ों साथियों के शामिल हुए। 'आप' के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने टोपी-पटका पहनाकर सभी का पार्टी में स्वागत किया। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में एमसीडी चुनाव को लेकर पूरी दिल्ली में अब प्रचार अभियान काफी तेज हो चुका है। आम आदमी पार्टी के सभी उम्मीदवार अपने-अपने वॉर्ड में पदयात्रा के माध्यम से सुबह-शाम जनसंपर्क अभियान को तेज कर रहे हैं।

जनसंपर्क अभियान के साथ-साथ दिल्ली में डोर-टू-डोर कैंपेन के माध्यम से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदेश को घर-घर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। शाम के समय में बूथ स्तर पर जनसंवाद के माध्यम से कूड़े पर चर्चा हो रही है। अभीतक दिल्ली में भाजपा के 15 सालों के कार्यकाल में अगर आपकी गलियों में कूड़ा रहा है, दिल्ली में कूड़े के पहाड़ खड़े हुए हैं, इसका समाधान क्या हो सकता है? क्या 15 साल देने के बाद भाजपा को एक और मौका दिया जाए तो क्या कूड़े के पहाड़ साफ हो जाएंगे? या अरविंद केजरीवाल को यह मौका दिया जाए, जिन्होंने दिल्ली वालों को स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, वाईफाई, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा समेत तमाम काम किए हैं। चार दिसंबर को काम करने वाले को मौका दिया जाए या बहाना बनाने वाले को मौका दिया जाए? जनसंवाद के माध्यम से दिल्ली की जनता से इन्हीं सवालों पर चर्चा की जाती है।

सत्येन्द्र जैन का मसाज वीडियो वायरल, कांग्रेस ने उठाया सवाल

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद दिल्ली के मंत्री सतेंद्र जैन का मसाज वीडियो वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नीयम-कानून को मानने वाली पार्टी नहीं है। चौधरी ने कहा कि आप सरकार ने दिल्ली के साथ-साथ राजनीति को भी प्रदूषित किया है। चौधरी ने कहा कि जैन जेल में रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्हें जेल में अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं। यह तभी संभव है जब जेल प्रशासन उनका सहयोग करें। ऐसे में मामले की जांच होनी चाहिए और जेल अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का जेल में मसाज कराते हुए वीडियो वायरल हुआ है। इसको लेकर कांग्रेस और भाजपा ने सवाल उठाया है।

गाज़ियाबाद के थाना इंदिरापुरम में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, 3 शातिर लूटेरे गिरफ्तार

गाजियाबाद। गौर ग्रीन तिराहे पर थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान दो लड़के सफेद रंग की बाइक पर तथा एक लड़का ग्रे रंग की स्कूटी पर खोड़ा अंडरपास की तरफ से वैशाली पुलिया की तरफ तेजी से जा रहे थे। पुलिस पार्टी द्वारा इनको रोकने का प्रयास किया, यह तेजी से वैशाली पुलिया की तरफ भागे। पुलिस पार्टी द्वारा इनका पीछा किया गया तो एक बदमाश द्वारा पुलिस पार्टी पर फायर किया गया, पुलिस पार्टी ने जवाबी फायर किया, जिसमे एक बदमाश को पैर में गोली लगी तथा दूसरा बदमाश बाइक से गिरने से चोटिल हो गया। एक बदमाश जो स्कूटी से पीछे मुड़कर खोड़ा अंडरपास की तरफ भाग गया, जिसका पीछा करके अंडरपास के पास पुलिस पार्टी द्वारा उस को गिरफ्तार कर लिया गया। गोली लगे बदमाश की पहचान शमशेर उर्फ लाला पुत्र इकराम निवासी झुग्गी झोपड़ी शुक्र बाजार भोवापुर कौशांबी गाजियाबाद तथा बाइक से चोटिल हुए व्यक्ति का नाम सरवर पुत्र अबुल उर्फ अब्दुल निवासी उपरोक्त के रूप में हुई है। तीसरा बदमाश जो स्कूटी से भागा था उसकी पहचान संजय उर्फ चुन्नू पुत्र राजू निवासी जुग्गी 110 ब्लॉक नंबर 19 थाना कल्याणपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने बदमाशों से चोरी की एक बाइक, चोरी की स्कूटी, एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस व एक जिंदा कारतूस वा चोरी करने के उपकरण आदि बरामद किए हैं। पकड़े गए शमशेर उर्फ लाला पर लूट और चोरी के लगभग एक दर्जन अभियोग तथा सरवर आलम तथा संजय पर आधा दर्जन करीब लूट और चोरी के अभियोग पंजीकृत हैं। सरवर आलम तथा शमशेर पर थाना इंदिरापुरम से वर्ष 2019 में गैंगस्टर भी लगा है।

समाजसेवी अनूप चावला को इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा संस्थापित इंडिया रशिया फ्रेंडशिप सोसायटी द्वारा रशियन सेंटर फॉर साइंस एंड कल्चर, नई दिल्ली में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी अवॉर्ड का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भारत और रूस संबंधों और इंदिरा की प्रसंगिकता पर भी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल, रशियन सेंटर फॉर साइंस एंड कल्चर के डायरेक्टर, इंडिया रशिया फ्रेंडशिप सोसाइटी के महासचिव डॉ आर.बी. सिंह, सचिव डॉ भरत झा मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से तीन बार राष्ट्रपति पदक से सम्मानित दिल्ली फायर सर्विस के डिप्टी चीफ डॉक्टर धर्मपाल भारद्वाज, मार्शल आर्ट के डॉक्टर रणवीर सिंह, उद्योगपति नितिन सेठ, समाजसेवी डॉ.सुरेंद्र गुप्ता, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुमार इंद्रनील ,पत्रकार राकेश कुमार सिंह, समाजसेवी श्रीधर अय्यर, शिक्षाविद डॉ हरीश, प्रीति मलिक गुजरात से विशेष रूप से पधारे समाजसेवी के.के सिंघल,समाजसेवी अनूप चावला, पत्रकार सूरत गोस्वामी ,मोहसिन खान को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

नोएडा में सोसाइटी के बाहर जमकर चले लात घूंसे, वीडियो आया सामने

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक सोसाइटी के बाहर जमकर लात घूसे चलने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में यह दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति के साथ कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक वीडियो संज्ञान में आया है और मामले की जांच की जा रही है। ग्रेटर नोएडा के वेस्ट फ्यूजन होम्स सोसायटी के बाहर ये मारपीट का वीडियो सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई है और जमकर लात घूसे चले हैं। मामले के मुताबिक बिल्डर ने किसी व्यक्ति को सोसाइटी के अंदर मिला लगाने की परमिशन दी थी। मेला लगाने वाले व्यक्ति पर आरोप है कि उसने वहां की महिलाओं से बदतमीजी की जिसके बाद यह मारपीट हुई है। यह पूरा मामला ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि मेला लगाने पहुंचे व्यक्ति से वहां के लोगों ने मारपीट की है। बेटी पर वहां की महिलाओं से बदतमीजी करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कर रही है।

विकासपुरी के आप विधायक महेंद्र यादव ने जनता को दी धमकी, वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव को लेकर अलग-अलग इलाके में विभिन्न पार्टियों का चुनाव प्रचार तेजी से चल रहा है। ऐसे में विकासपुरी विधानसभा के आप विधायक महेंद्र यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें वे विकास नगर वार्ड में अपने पार्षद प्रत्याशी अशोक पांडे के समर्थन में लोगों को संबोधित कर रहे हैं और वहां लोगों से साफ तौर पर कह रहे हैं कि अगर आम आदमी पार्टी का प्रत्याशी नहीं जीत पाया तो यहां कोई काम नहीं कराऊंगा।

जानकारी के अनुसार, जो वायरल वीडियो है उसमें महेंद्र यादव मंच पर खड़े हैं। साथ में उनके साथ उस वार्ड से आप प्रत्याशी अशोक पांडे हाथ जोड़े खड़े हैं। विधायक महेंद्र यादव लोगों को संबोधित कर रहे थे। वह जनता से वोट मांगने गए थे, तभी उन्होंने मंच से यह बात कह दी। वीडियो में वह कह रहे हैं कि अगर आप ने आम आदमी पार्टी को वोट नहीं दिया तो नाली साफ नहीं कराऊंगा। बिल्कुल क्लियर करके जा रहा हूं कि मेरा काम नहीं होगा तो नाली जितनी भी भर जाए साफ नहीं कराऊंगा। निश्चित तौर पर यह वीडियो आने वाले दिनों में दूसरी राजनीतिक पार्टियों के लिए एमसीडी चुनाव का बड़ा मुद्दा बन जाएगा क्योंकि आप विधायक मंच से लोगों को आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए सिर्फ प्रेरित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि उन्हें धमकी भी दे रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि दूसरी राजनीतिक पार्टियां इस पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं और इलाके के लोग मतदान के दौरान इन बातों को कितनी अहमियत देते हैं।

कांग्रेस दिल्ली को बनाएगी प्रदूषण और भ्रष्टाचार मुक्त : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस दिल्ली को प्रदूषण और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएगी। पार्टी निगम चुनाव जीतने के बाद कई कड़े कदम उठाएगी।

चौधरी ने एक प्रेसवार्ता के दौरान दिल्ली नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस विजन ''मेरी चमकती दिल्ली'' पेश किया। इस दौरान चौधरी ने कहा कि कांग्रेस निगम चुनाव जीतने के बाद दिल्ली को प्रदूषण मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, ढलाव मुक्त, कूड़ा कचरा मुक्त, महामारी मुक्त और निगम को कर्ज मुक्त बनाने का काम करेगी। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम को कर्ज मुक्त बनाने के लिए कांग्रेस भाजपा और आम आदमी पार्टी के निगम पार्षदों द्वारा व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करेगी और निगम की आय को दुगना बनाएगी।

उन्होंने बताया कि निगम की आय को इसलिए दुगनी करना जरूरी है क्योंकि इसके बाद कर्मचारियों को वेतन समय पर मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही दिल्ली नगर निगम को कर्ज के जाल से मुक्त कराने के लिए योजना बनाएगी और प्रशासनिक स्तर पर भी निगम में क्रांतिकारी सुधार लाएगी।

डीएमआरसी ने फेज-4 के निर्माण कार्यों में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और केशोपुर के बीच सुरंग बनाने का काम पूरा कर फेज-4 निर्माण कार्यों में एक और उपलब्धि हासिल की। सुबह कृष्णा पार्क एक्सटेंशन में 1.4 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई पूरी करके आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव और डीएमआरसी के अध्यक्ष मनोज जोशी, प्रबंध निदेशक, डीएमआरसी, विकास कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) बाहर आई।

डीएमआरसी के अनुसार, 73 मीटर लंबी विशालकाय टीबीएम का उपयोग कर इस टनल का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया। इस खंड पर अब ऊपर और नीचे जाने के लिए दो समानांतर गोलाकार सुरंगों का निर्माण किया गया है जो कि जनकपुरी पश्चिम से केशोपुर तक 2.2 किलोमीटर लंबे भूमिगत खंड का हिस्सा है। इस खंड पर दूसरी समानांतर सुरंग का काम पिछले साल दिसंबर में पूरा हो गया था। इस खंड का पूरा होना डीएमआरसी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण कार्य करने में यहां बार-बार अवरोधों का सामना करना पड़ा था। सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए वर्कफोर्स को बनाए रखा गया और उसी के अनुसार निर्माण कार्यों की योजना बनाई गई।

इस भूमिगत खंड पर दो सुरंगों के अलावा रैंप और प्रवेश/निकास का काम पूरा हो चुका है साथ ही कृष्णा पार्क एक्सटेंशन स्टेशन का लगभग 70 प्रतिशत काम भी पूरा हो चुका है। इस विशेष भूमिगत खंड का सिविल कार्य अगले वर्ष की शुरुआत तक पूरा हो जाएगा, यद्यपि संपूर्ण जनकपुरी पश्चिम - आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर सितंबर, 2025 तक तैयार हो जाएगा।

डीएमआरसी ने बताया यह नया टनल स्ट्रेच पहले से चालू मैजेंटा लाइन टनल का विस्तार है जिसका निर्माण पूर्व में ही, बॉटेनिकल गार्डन - जनकपुरी वेस्ट कॉरिडोर के वर्तमान परिचालन हेतु किया गया था। टनल का निर्माण लगभग 14 से 16 मीटर की गहराई तक किया गया है। टनल में करीब 2,000 रिंग लगाए गए हैं। इसका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। टनल का अलॉइनमेंट बाहरी रिंग रोड के साथ-साथ और बहुमंजिला निर्मित संरचनाओं के नीचे है। टनल बनाने के काम में माइक्रो टनलिंग पद्धति का उपयोग करके 8 मीटर की गहराई पर सीवर लाइनों को स्थानांतरित करने जैसी कई चुनौतियां शामिल थीं। इसके अलावा बाहरी रिंग रोड पर भारी यातायात के कारण, यातायात प्रवाह को बाधित किए बिना बॉक्स-पुशिंग विधि का उपयोग करके एक सब-वे का निर्माण किया गया। टनल का निर्माण ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मैथड) की अनुभूत तकनीक के साथ किया गया है जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग्स से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। सुरंग के छल्ले मुंडका में पूरी तरह से यंत्रीकृत कास्टिंग यार्ड सेटअप में डाले गए हैं। जल्दी सख्ती प्रदान करने के लिए इन कंक्रीट सेगमेंटों को स्टीम क्यूरिंग सिस्टम से तैयार किया गया था।

डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि आस-पास की संरचनाओं पर लगे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों के साथ जमीनी गतिविधियों की निगरानी करके निर्मित संरचनाओं के नीचे टनल का निर्माण करते समय सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गई थी। इन उपायों से यह सुनिश्चित हुआ कि कहीं कोई समझौता नहीं हुआ है। अब तक अनुमोदित फेज-4 निर्माण कार्य के हिस्से के रूप में 28.76 किलोमीटर लंबी भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जाएगा। जनकपुरी पश्चिम - आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर में कुल 9.41 किलोमीटर लंबा भूमिगत सेक्शन होगा। टीबीएम एक ऐसी मशीन है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार की मिट्टी और चट्टानी स्तरों के माध्यम से गोलाकार अनुप्रस्थ काट वाली सुरंगों की खुदाई के लिए किया जाता है। उन्हें कठोर चट्टान से लेकर रेत तक किसी भी चीज को भेदने के लिए डिजाइन किया जा सकता है। टीबीएम ने दुनिया भर में सुरंग बनाने के काम में क्रांति ला दी है क्योंकि अब इमारतों और अन्य सतही संरचनाओं में छेड़-छाड़ किए बिना टनल की खुदाई की जा सकता है। भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग खुदाई के काम के लिए टीबीएम विशेष रूप से उपयोगी हैं। डीएमआरसी फेज-1 से अपने सुरंग निर्माण संबंधी कार्यों के लिए टीबीएम का उपयोग कर रही है।

सुकेश चंद्रशेखर का छठा पत्र और नया आरोप

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने छठा पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए है।

देर शाम अपने वकील के जरिए मीडिया को जारी पत्र में सुकेश ने आप नेताओं और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसमें सुकेश ने लिखा कि सत्येंद्र जैन ने मुझसे फरवरी 2017 में फोन कर 20 मिलियन डॉलर (बिटकॉइन का हिस्सा) को रुपए में बदलवाने के लिए मदद मांगी थी।

सत्येंद्र जैन के अपने परिचित से बैंगलोर की मशहूर डिस्टलरी कंपनी के मालिक के पास से डॉलर उठाने के लिए कहा गया था। साथ ही डॉलर के कन्वर्जन के बदले उचित कीमत देने की

बात भी कही गई थी।

पत्र में सुकेश ने यह भी लिखा कि सत्येंद्र जैन द्वारा करीब 30 से 40 कॉल के बाद उसने अपने स्टाफ गोपीनाथ और रवि से उनका काम कराया। यह पैसा आम आदमी पार्टी को दिल्ली में दिया जा रहा था। सुकेश ने आगे लेटर में पूछा कि केजरीवाल जवाब दें कि ये पैसा किसका था ? वो ज्वेलर कौन था, जिसके यहां ये चार बैग डिलीवर किए गए थे? डिस्टलरी कंपनी का वो मालिक कौन था? सुकेश ने लेटर लिखकर केजरीवाल से सवाल-जवाब किए हैं।

उल्लेखनीय है कि सुकेश चंद्रशेखर ने इससे पहले भी कई लेटर लिखकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, कैलाश गहलोत और सत्येंद्र जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुकेश ने सवाल किया था कि अगर मैं महाठग हूं तो आपने दिल्ली सरकार के स्कूलों के प्रमोशन के लिए इंटरनेशनल पीआर अरेंज करने के लिए क्यों बोला था ? इसके साथ उसने यह भी दावा किया था कि अखबारों में खबर छपवाने के लिए 8 लाख 50 हजार डॉलर (करीब 7 करोड़ रुपए) और 15 फीसदी एक्स्ट्रा कमीशन दिया था।

इससे पहले गुरुवार को सुकेश ने वर्ष 2016 में दिल्ली सरकार के स्कूलों में छात्रों के लिए टैबलेट सप्लाई के बदले एक चीनी कंपनी से रिश्वत की मांग करने का आरोप भी लगाया था। पत्र में दावा किया गया था कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की चीनी कंपनी से मुलाकात कराई गई थी।

कैसा ये इश्क है, प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या, लाश 4 साल बाद बरामद

गाजियाबाद। बीते दिनों गाजियाबाद में एक दिल दहलाने वाला केस सामने आया था जिसमेंएक महिला ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया था, वो भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर। इस घटना का खुलासा 4 साल बाद गाजियाबाद पुलिस ने किया था। पति की हत्या के बाद उसकी लाश को भी दोनो ने मिलकर प्रेमी के घर में 6 फीट का गड्ढा खोदकर दबा दिया था। इस तरीके के मामले लगातार समाज में बढ़ते मानसिक विकृति को दिखाते हैं जिनके चलते किसी भी उम्र के लोग किसी भी घटना को अंजाम दे सकते हैं। महिला के प्रेमी ने उसने पति के सिर पर पहले गोली मारी थी और उसके बाद उसका एक हाथ कुल्हाड़ी से काट दिया था। काटे हुए हाथ को जंगल में फेंक दिया गया था। ताकि अगर वो पुलिस को बरामद भी हो तो लगे कि ये कोई और घटना है।सालों बाद इस घटना में इस खुलासे ने सबको चौंका दिया है। पड़ोस में ही पति की लाश को 4 साल से पति और उसके प्रेमी ने दफन कर रखा था और उसकी खबर

कानो कान किसी को नहीं हुई। यह वह क्राइम होते हैं जो बिल्कुल सोच समझकर किए जाते हैं जो अचानक नहीं होते। ऐसा क्राइम करने से पहले यह क्रिमिनल अपने आपको इसके लिए पूरी तरह तैयार करते हैं। गाजियाबाद एसएसपी ने पुराने कुछ अनसुलझे कैसे उसको दोबारा खुलवाया था। जिनकी जांच अलग-अलग टीम को दी गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने चंद्रवीर के गायब होने के केस पर काम करते हुए उसकी बेटी से बातचीत की तो पता चला कि पड़ोस में रहने वाले एक अंकल उसके घर में बराबर आते जाते हैं। बेटी ने उन्हीं पर शक जताया। क्राइम ब्रांच चंद्रवीर के पड़ोस में रहने वाले अरुण और अनिल को हिरासत में लिया और उससे जो कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने सारी घटना पुलिस के सामने उगल दी। पुलिस ने जब प्रेमी के घर जाकर गड्ढा खोद वाया तो उसमें शव के अवशेष मिले इनको डीएनए टेस्ट के लिए भिजवा दिया गया है। पुलिस अधिकारी इस पर बताते हैं कि यह घटना करने से पहले दोनों ने पूरी तरीके से इसकी प्लानिंग की थी और रिमी ने अपने घर में पहले ही 6 फीट का गड्ढा खोदकर तैयार कर दिया था।

टीबी को मात देकर अपने क्षेत्र में स्वयं सेवी एम्बेसडर के रूप में कार्य करें मरीज : डा. जैन

नोएडा। रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन (आरएचएएम) ने टीबी के 60 और मरीजों को गोद लिया है। इससे पहले अक्टूबर में मिशन 159 मरीजों को गोद ले चुका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) बिसरख पर हुए कार्यक्रम में उन्हें पुष्टाहार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा. शिरीष जैन ने कहा कि वह टीबी को मात देने के बाद अपने क्षेत्र के स्वयंसेवी एम्बेसडर के रूप में कार्य करें और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में अपना सहयोग दें। डा. जैन ने कहा कि वह अपने आस-पास के क्षेत्र के संभावित टीबी मरीजों पर नजर रखें और उन्हें जांच के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों पर भेजें।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने क्षय रोगियों को नियमित रूप से दवा खाते रहने और अपने सभी परिजनों की टीबी जांच कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा टीबी की जांच और उपचार की सुविधा पूरी तरह से निशुल्क उपलब्ध है। फेफड़ों की टीबी एक संक्रामक बीमारी है जो सांस के जरिए एक से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। उन्होंने कहा किसी भी हालत में अपनी मर्जी से दवा खाना बंद न करें। उपचार बीच में छोड़ देने से टीबी की बीमारी बिगड़ जाती है।

उन्होंने कहा- उन्हें उपलब्ध कराया गया पुष्टाहार उच्च प्रोटीन युक्त है। इसके सेवन से उन्हें टीबी के खिलाफ लड़ाई में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उपचार जारी रहने तक क्षय रोग विभाग की ओर से निक्षय पोषण योजना के तहत हर माह पांच सौ रुपए का भुगतान उनके खाते में सीधे किया जाता रहेगा। नियमित रूप से दवा लेने पर क्षय रोग पूरी तरह ठीक हो जाता है। अपने आसपास किसी को दो सप्ताह से अधिक खांसी रहने, वजन कम होने, रात में सोते समय पसीना आने, थकान रहने और बुखार रहने की जानकारी मिले तो टीबी की जांच कराने के लिए प्रेरित करें। यह टीबी के लक्षण हो सकते हैं।

सीएचसी बिसरख के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. सचिन्द्र मिश्र ने कहा जिला क्षय रोग अधिकारी के नेतृत्व में इस योजना को सफल बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने टीबी मरीजों से कहा कि उन्हें कोई दिक्कत हो और ओपीडी में दिखाना हो तो उन्हें लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। वह सीधे ओपीडी में आ सकते हैं, उनका उपचार वरीयता के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के चेयरमैन डा. धीरज के अलावा मिशन से जुड़े जीके गौड़, अशोक अग्रवाल, अनीता महेन्द्रू, पवन रस्तोगी, सुनील मल्होत्रा, जिला क्षय रोग विभाग से पवन भाटी, आलोक, देवेन्द्र आदि उपस्थित रहे। टीबी मरीजों को उच्च गुणवत्ता युक्त पुष्टाहार के रूप में हॉर्लिक्स, गुड़, चना, दाल, दलिया न्यूट्रीनगेट, फ्रूट जूस प्रदान किया। उपचार जारी रहने तक इन टीबी मरीजों को पोषण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन निभाएगा, साथ ही उन्हें भावनात्मक और सामाजिक सहयोग प्रदान करता रहेगा।

स्टेट टीबी एडॉप्शन सेल ने तारीफ

डा. जैन ने बताया भारत सरकार की ओर से नियुक्त स्टेट टीबी एडोप्शन सेल के सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की तारीफ की और उम्मीद जाहिर की जनपद में इसी तरह टीबी उन्मूलन के लिए प्रयास होते रहेंगे।